संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, बुधवार, 22 मई 2024 ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 15 अंक: 140 पृष्ठ: 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पश्चिमी चंपारण में राधा मोहन सिंह स्मृति चिन्ह देकर अभिनंदन करते हुए।

आदर्श विचार

"कोई भी अपने कर्म से भाग नहीं सकता, कर्म का फल तो भुगतना ही पड़ता है। - भगवत गीता"

मन की बात

"सब कुछ खोने से ज्यादा बुरा उस उम्मीद को खो देना जिसके भरोसे हम सब कुछ वापस पा सकते हैं। -स्वामी विवेकानंद"

ममता के बयान पर भड़के साधु-संत

टीम एक्शन इंडिया

कोलकाता: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छठे चरण के मतदान से पहले उत्तरी कोलकाता में रोड-शो करने वाले हैं। उनके आगे-आगे साधु-संत नंगे पैर उस रास्ते से पदयात्रा करेंगे।

इंडी गठबंधन की डूब रही है नाव: पीएम मोदी

● सपा-कांग्रेस ले रहे झूठ का सहारा, सपा शासन काल में इलाहाबाद में दिनदहाड़े गोली और बम चलते थे

टीम एक्शन इंडिया

प्रयागराज: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को परेड ग्राउंड में जनसभा को संबोधित किया। इलाहाबाद से भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी और फूलपुर से प्रत्याशी प्रवीण पटेल को जिताने की अपील करते हुए मोदी ने कहा कि सपा शासन काल में इलाहाबाद में दिन दहाड़े गोली और बम चलते थे। व्यापारी असुरक्षित महसूस करते थे। आज भाजपा सरकार माफिया के महलों को ढहाकर वहां गरीबों के लिए मकान बनवा रही है। उन्होंने कहा कि सपा शासन काल में जाति देखकर नौकरी मिलती थी। यूपीपीएएसी का नाम बदलकर परिवार सर्विस कमीशन रख दिया गया था। सपा-कांग्रेस सरकार में प्रयागराज के साथ काफी भेदभाव किया गया था। वोट बैंक के लालच में यह लोग कुंभ की व्यवस्था ठीक तरीके से नहीं करते थे। मोदी ने कहा कि चौबीस का चुनाव तय करेगा कि भारत के भविष्य की त्रिवेणी किधर से बहेगी। पीएम ने करीब 22 मिनट तक भाषण दिया। राम मंदिर के मुद्दे पर भी विपक्ष को घेरा।

अब एक्सप्रेस वे और डिजिटल इंडिया से होती है भारत पहचान: पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत तेजी से बदल रहा है। विश्व पटल पर भारती की पहचान अब एक्सप्रेस वे से होती है. इंफ्रास्ट्रक्चर से होती है। भारत की डिजिटल टैक्नोलॉजी लेने के लिए विदेशी भी लालायित हैं। भारत आज भारत दुनिया में अपनी आवाज बुलंद कर रहा है। यहां की टी-ट्वेंटी से दुनिया हैरान।

अलग है प्रयागराज का मिजाज: पीएम ने कहा कि प्रयागराज का मिजाज हर जगह से अलग है। यहां के लोग किसी से दबकर रहते हैं न किसी से डरकर रहते हैं। जो जिंदादिली मैने में प्रयागराज के लोगों में देखी है वह कम ही देखने को मिलती है। यही मिजाज आज के भारत का मिजाज है। भारत आज तेजी से बढ़ रहा है। हर देशवासी खुश है। सपा-कांग्रेस और इंडी गठबंधन वालों को यह बात हजम नहीं हो रही है। कांग्रेस के शहजादे भारत को गाली देने के लिए विदेश जाते हैं। इंडी गठबंधन का एजेंडा है कि वह सत्ता में आए तो कश्मीर से आर्टिकल 370 और सीएए खत्म कर देंगे।

पीएम बोले- सपा ने प्रतिभाओं को किया बर्बाद: प्रधानमंत्री ने युवाओं की नब्ज टटोलते हुए कहा कि प्रयागराज शिक्षा का बड़ा केंद्र। यहां के युवा कभी भूल नहीं सकते कि सपा कैसे उनके सपनों का सौदा करती थी। योग्यता की कद्र नहीं होती थी। किसी और की नौकरी किसी और को मिलती है। जाति देखकर नौकरी दी जाती थी। घूसखोरी चरम पर थी। यूपीपीएससी को परिवार सर्विस कमीशन बना दिया गया था। कितनी प्रतिभाओं का भविष्य बर्बाद कर कर दिया था।

कुंभ से ज्यादा वोट बैंक की चिंता: पीएम मोदी

पीएम ने कहा कि सपा-कांग्रेस को कुंभ से ज्यादा वोट बैंक की चिंता रहती है। इंडी गठबंधन वालों से विकास नहीं हो सकता। सपा-कांग्रेस के समय कुंभ में भगदड़ मच जाती थी। इनका सुशासन और हमारी आस्था से छत्तीस का रिश्ता है। सपा और कांग्रेस ने तुष्टीकरण का कंपटीशन होता था। इन लोगों ने राम मंदिर का बहिष्कार किया। यह लोग सत्ता में आए तो अगले साल होने वाले कुंभ को क्या अच्छे से होने देंगे।

पीएम ने कहा कि आजह हर गांव और जनपद को एक बराबर और भरपूर बिजली मिल रही है। भाजपा शासन काल में समस्या खत्म हो गई है। प्रयागराज, रायबरेली, लखनऊ फोरलेन हाईवे, गंगा एक्सप्रेस, हल्दिया से प्रयागराज तक वाटर वे, अम्रत स्टेशन, वंदे भारत ट्रेन, हर क्रासिंग पर ओवर ब्रिज, अंडर पास, गंगा आईकोनिक केबिल, बमरौली का कायाकल्प सब भाजपा सरकार की देन है।

विपक्ष को घेरा

● कांग्रेस सत्ता में आई तो कश्मीर से आर्टिकल 370 और सीएए खत्म कर देगी: पीएम मोदी

इंडी गठबंधन चार जून को सरकार बनाएगा: अरविंद केजरीवाल

दावा

● अमित शाह कहते हैं कि आम आदमी पार्टी को सपोर्ट करने वाले पाकिस्तानी हैं। यह अहंकार बोल रहा है

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को एक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए दावा किया कि चार जून को इंडी गठबंधन 300 से अधिक सीटों के साथ सरकार बनाएगा। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि लोकसभा चुनाव का पांचवां चरण पूरा हो चुका है। जनता के रूझान से स्पष्ट है कि केंद्र की भाजपा सरकार सत्ता से जा रही है। केजरीवाल ने कहा कि कई लोगों ने सर्वे किया है जिसमें इंडी गठबंधन को 300 से ज्यादा सीटें मिल रही हैं। इंडी गठबंधन देश को साफ सुथरी सरकार देने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आगे उन्होंने भाजपा नेता अमित शाह और योगी आदित्यनाथ की दिल्ली में चुनावी रैली में दिए बयानों को लेकर हमला बोला।

उन्होंने कहा कि अमित शाह कहते हैं कि आम आदमी पार्टी को सपोर्ट करने वाले पाकिस्तानी हैं। यह अहंकार बोल रहा है।

लंदन से सिंगापुर जा रहे विमान में टबुर्लेंस की वजह से एक यात्री की मौत

टीम एक्शन इंडिया

बैंकॉक: लंदन से सिंगापुर जा रही सिंगापुर एयरलाइंस की फ्लाइट में एक यात्री की मौत हो गई है। विमान में कई यात्री घायल भी बताए जा रहे हैं। इसकी वजह खतरनाक टबुर्लेंस को बताया गया है। एयरलाइन ने बयान जारी कर घटना की पुष्टि की है। टबुर्लेंस के बाद विमान की बैंकॉक में आपातकालीन लैंडिंग कराई गई है। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि बोइंग 777-300 ईआर विमान 211 यात्रियों और चालक दल के 18 सदस्यों को लेकर सिंगापुर जा रहा था।

आजमगढ़: अखिलेश यादव की जनसभा में मची भगदड़

टीम एक्शन इंडिया

आजमगढ़: आजमगढ़ जिले में मंगलवार को लालगंज लोकसभा क्षेत्र के खरेवां में अखिलेश यादव की जनसभा में अचानक भगदड़ मच गई। हालांकि पुलिस ने मौके पर लोगों को शांत कराया और भीड़ को हटाया। थोड़ी ही देर में माहौल सामान्य हो गया। लोकसभा लालगंज के खरेवां में सपा मुखिया अखिलेश यादव की जनसभा का आयोजन किया गया था। जैसे ही अखिलेश अपना संबोधन शुरू करने के लिए उठे कार्यकर्ता जोश में आ गए,

जिससे कुछ देर के लिए भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले को संभाला। इस दौरान पुलिसकर्मियों द्वारा कुछ लोगों पर डंडा चलाने की भी बात सामने आ रही है।

चारधाम यात्रा : केदारनाथ में अब तक तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किये बाबा केदार के दर्शन

केदारनाथ धाम

धामी सरकार चारधाम यात्रियों की सुविधाओं और व्यवस्थाओं के लिए न केवल संकल्पित है

रुद्रप्रयाग/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड की धामी सरकार चारधाम यात्रियों की सुविधाओं और व्यवस्थाओं के लिए न केवल संकल्पित है अपितु इसको सुगम बनाने के लिए हर दिन आला अधिकारियों को दिशा-निर्देशित कर समीक्षा भी कर रही है। इसी का परिणाम है कि 11 दिनों में केदारनाथ धाम में अब तक 3 लाख 19 हजार से अधिक श्रद्धालु बाबा के दर्शन कर चुके है। यह एक नया कीर्तिमान स्थापित हो गया है। जिला प्रशासन की ओर से केदारनाथ धाम दर्शन करने पहुंच रहे तीर्थ यात्रियों का अतिथि देवो भवः की परम्परा से स्वागत किया जा रहा है। इस वर्ष पिछली बार से बहुत अधिक संख्या में श्रद्धालु केदारनाथ धाम में बाबा केदारनाथ के दर्शनों को पहुंच रहे हैं। इन श्रद्धालुओं की यात्रा सुगम, सुव्यवस्थित, सुरक्षित और मंगलमय यात्रा संपन्न हो, इसके लिए राज्य सरकार से लेकर जिला प्रशासन सभी सुविधाएं एवं व्यवस्थाएं जुटाने में निरंतर प्रयासरत हैं। चारधाम आने वाले यात्रियों को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। बाबा केदारनाथ धाम के कपाट देश-विदेश के श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ 10 मई को खोल दिए गए थे और इन 11 दिनों में ही केदारनाथ धाम में आस्था का जो सैलाब उमड़ रहा है। उसने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है, जो अपने आप में एक बहुत बड़ी मिसाल है। अब तक 3,19,193 श्रद्धालु श्री केदारनाथ धाम के दर्शन कर चुके हैं जो 11 दिनों में एक नया कीर्तिमान स्थापित हो गया है। केदारनाथ यात्रा पड़ाव फाटा, सोनप्रयाग एवं गौरीकुंड आदि क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ होने के कारण जिला प्रशासन की ओर से यात्रियों को अगस्त्यमुनि एवं अन्य स्थानों पर सुरक्षा और सुव्यवस्थित यात्रा के दृष्टिगत रोका जा रहा है। इन यात्रियों को रहने और खाने आदि की कोई असुविधा न हो, इसके लिए जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के निर्देशन में नगर पंचायत अगस्त्यमुनि की ओर से अतिथि देवो भवः की परम्परा एवं संस्कृति के अनुसार स्वागत किया जा रहा है। साथ ही राजस्थान और मध्य प्रदेश से आए 263 तीर्थ यात्रियों को रहने, खाने-पीने का उचित प्रबंधन किया गया।

वुडबाल प्रतियोगिता में पतंजलि की महिला और पुरुष टीमों ने प्राप्त किया स्वर्ण पदक

नेशनल गेम्स

-गोवा में आयोजित एशियन बीच गेम्स तथा 38 नेशनल गेम्स, उत्तराखण्ड के लिए बढ़ाया पुरुषार्थ

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
भारतीय विश्वविद्यालय संघ के तत्वावधान में जेएनसीटी प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी भोपाल, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित एआईयू जोनल वुडबॉल महिला-पुरुष प्रतियोगिता में पतंजलि विश्वविद्यालय ओवरऑल पहले स्थान पर रहा तो वहीं एलएनसीटी विश्वविद्यालय को दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। जेएनसीटी प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा पहली बार चार दिवसीय एआईयू जोनल वुडबॉल प्रतियोगिता में 35 विश्वविद्यालयों के 550 महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। क्रीड़ा प्रतियोगिता के फाइनल में मध्य प्रदेश पुलिस महानिदेशक शैलेश सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पुरुष वर्ग में कार्तिकेय, ध्रुव देव, सुधांशु, सचिन, दीपक व हेमंत तथा महिला वर्ग में अदिति सती, रिया, स्नेहा, अनुष्का, समृद्धि थपलियाल व निहारिका ने टीम इवेंट में स्वर्ण पदक प्राप्त कर पतंजलि विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया। साथ ही रिया व अनुष्का ने डबल्स प्रतियोगिता में भी स्वर्ण पदक प्राप्त किया।विजेता टीम के पतंजलि लौटने पर पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण महाराज, प्रति कुलपति प्रो. महावीर अग्रवाल, डॉ. प्रवीण पुनिया, माणिकपुरी सहित समस्त प्राध्यापकों ने विजेता प्रतिभागियों को बधाई दी

गर्जन के साथ बारिश और झोंकेदार हवाएं चलने की संभावना

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड के आठ जनपदों में मौसम विभाग ने पांच दिवसीय चेतावनी में आज से बारिश होने कहीं-कहीं गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने और कहीं-कहीं झोंकेदार हवाएं चलने का अनुमान जताया गया है।
मौसम विभाग ने जिन जनपदों दो दिन वर्षा की संभावना जताई गई है उनमें उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल, पिथौरागढ़, बागेश्वर, अल्मोड़ा चंपावत के नाम शामिल हैं जबकि देहरादून, पौड़ी, गढ़वाल, नैनीताल, ऊधमसिंहनगर व हरिद्वार में मौसम शुष्क रहेगा।

पति को छोड़कर लिव इन में रह रही महिला का पार्टनर ही निकला हत्यारा

वारदात

-शादी के बाद पार्टनर को रास्ते से हटाने के लिए दिया था वारदात को अंजाम

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
मनसा देवी पैदल मार्ग पर 16 मई को मिले महिला के शव से पुलिस ने पर्दा हटाते हुए आरोपित महिला के लिव इन पार्टनर को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने शादी के बाद महिला पार्टनर को रास्ते से हटाने के लिए इस बड़ी वारदात को अंजाम दिया था।
घटना को मायापुर चौकी में खुलासा करते हुए एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया कि 16 मई को मनसा देवी मंदिर पैदल मार्ग से आगे एक अज्ञात महिला का शव मिला था। प्रथम दृष्टया हत्या किए जाने का मामला प्रतीत हुआ। प्रयास करने के बाद मृतका की शिनाख्त पूजा मिश्रा पुत्री विजय मिश्रा निवासी धनसिया मधबनी बिहार के रूप में हुई। मोबाइल नंबर स्वामी ने स्वयं को मृतका का पति बताते हुए जानकारी दी कि उसकी पत्नी पूजा 02 वर्ष पूर्व घर से भाग गयी थी।
उन्होंने बताया कि मृतका पूजा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण गला दबाना आया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलते ही नगर कोतवाली में अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया।
एसएसपी ने बताया कि महिला पूजा को न्याय दिलाने के लिए हत्यारोपित की जल्द तलाश के लिए गठित पुलिस टीमों ने मनसा देवी को आने-जाने वाले सीसीटीवी कैमरों की गहनता से जांच की, जिसमें 15 मई को पूजा के साथ एक पुरुष, महिला व एक बच्चा दिखाई दिया। लेकिन वापसी के समय संदिग्ध पुरुष, महिला और बच्चे के साथ महिला पूजा मौजूद नहीं थी। हाथी पुल के पास चाय की दुकान के मालिक द्वारा संदिग्ध के गुगल फोन से भुगतान करने की जानकारी देते हुए यूपीआई आईडी उपलब्ध करायी गई।
पुलिस टीम ने जुटाई गई जानकारी के आधार पर संदिग्धों की तलाश जारी रखते मुखबिर की मदद से दोनों संदिग्ध को खडखडी के पास से गिरफ्तार कर लिया।
संदिग्ध दंपत्ति रोशन कुमार कामत पुत्र सुरेश कुमार कामत हाल निवासी खांडसा गुरुग्राम हरियाणा महक (काल्पनिक नाम) पत्नी रोशन कुमार कामत से पूछताछ में जानकारी मिली कि महिला पूजा की शादी बिहार निवासी मोनू कुमार से हुयी थी, लेकिन 02 साल पहले वो वहां से भागकर हरियाणा आ गयी और रोशन के साथ लिव इन में रहने लगी। कुछ समय बाद रोशन की शादी किसी अन्य युवती (महक) से हो गयी।
शुरूआत में गांव में रह रही महक जब अपने पति के साथ रहने हरियाणा आयी तो अवैध संबंधों की जानकारी होने पर महक ने एतराज जताया। अलग रहने को कहने पर अक्सर रोशन और पूजा के बीच झगडे.होने लगे।

संक्षिप्त खबरें

नगर निगम पार्षद संजय नौटियाल एवं उसके पूरे परिवार पर भविष्य में चुनाव पर लगेगी रोक!?

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
प्रवीण भारद्वाज द्वारा राज्यपाल और राज्य निर्वाचन आयोग को पार्षद संजय नौटियाल एवं उसके पूरे परिवार पर भविष्य में चुनाव में रोक लगाने के लिए शिकायत की गई थी, जिस राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा सख्त रूप अपनाते हुए इस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रमुख सचिव उत्तराखण्ड शासन को कार्यवाही करने के लिए कहा गया है। वार्ड न. 6 दून विहार के पूर्व पार्षद संजय नौटियाल द्वारा पूर्व में गलत व फर्जी शपथ पत्र प्रस्तुत कर चुनाव लड़ा गया था। सरकारी गजट, जो उतरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित है उसमे सरकारी नियम के अनुसार कोई भी उम्मीदवार जो नगर निगम की सरकारी जमीन पर कब्जा करके रह रहा है या उसके परिवार का कोई भी सदस्य या उसका कोई उत्तराधिकारी यदि नगर निगम की जमीन पर कब्जा करके रह रहा है तो वो चुनाव नहीं लड़ सकता है। पार्षद संजय नौटियाल का घर एवम् दुकान नगर निगम की सरकारी भूमि पर कब्जा कर-के बनायी गई है, जिसके पूरे प्रमाण उपलब्ध होने के बाद भी पार्षद संजय नौटियाल ने झूठा एवम् भ्रामक शपथ पत्र चुनाव आयोग को देकर चुनाव लड़ा था। सरकारी विभागों ने पार्षद संजय नौटियाल को फर्जी आदेय प्रमाण पत्र देकर उसके गलत कामों में उसका साथ दिया था। प्रवीण भारद्वाज द्वारा ये भी बताया गया है कि जिन विभागों ने फर्जी आदेय प्रमाण पत्र दिया था उनके विरुद्ध भी कार्यवाही की जा रही है। एवम् पार्षद संजय नौटियाल ने पिछले 5 वर्षों में जो भी सरकारी पैसों का दुरुउपयोग किया है उसकी भी रिकवरी की कार्यवाही की जा रही है। संजय नौटियाल के परिवार में मीना नौटियाल, मीनाक्षी नौटियाल, मनीषा नौटियाल, भूवना देवी, बबीता नौटियाल, रामचंद नौटियाल आदि पर भविष्य में चुनाव लड़ने पर रोक लगेगी क्योंकि यह पूरा परिवार नगर निगम के कब्जे की जमीन पर रह रहा है, जिसके पूरे प्रमाण राज्य निर्वाचन आयोग को एवम् राज्यपाल उत्तराखण्ड देहरादून को दिये जा चुके हैं ताकि भविष्य में कोई भी अन्य व्यक्ति फर्जी पेपर लगा कर चुनाव ना लड़ सके। डीएवी कॉलेज में जाँच में फर्जी मार्कशीट पकड़े जाने पर डालनवाला थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। प्रवीण भारद्वाज ने यह भी बताया कि नगर निगम के 5 अन्य पार्षद: भूपेन्द्र कठैत, पार्षद चुन्नी लाल, पार्षद कमल थापा, पार्षद सत्येन्द्र नाथ और पार्षद योगेश घाघट पर भी कई अपराधिक मुकदमे होने के कारण नगर निगम चुनाव में रोक लगाने की कार्यवाही की जा रही है।

कैंची धाम में लग रहे जाम के विरोध में व्यापारी करेंगे आंदोलन

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
कैंची धाम में लग रहे जाम के विरोध में व्यापारियों ने आंदोलन करने का निर्णय लिया है। प्रान्तीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष नवीन वर्मा ने हल्द्वानी से कैंची धाम तक लग रहे जाम को लेकर कुमाऊं मंडल के सभी जिलों के जिला अध्यक्षों , जिला महामंत्रियों को जून में प्रस्तावित आंदोलन के संदर्भ में दो जून को हल्द्वानी में आमंत्रित किया है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष ने पूर्व में सभी जिला इकाइयों एवं नगर इकाइयों से इस संदर्भ में मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित करने के लिए कहा था। इस संबंध में बागेश्वर, अल्मोड़ा और रानीखेत के पदाधिकारियों ने लगातार जाम के कारण आवाजाही में हो रही परेशानियों से अवगत कराया है। लेकिन प्रदेश सरकार द्वारा अभी तक इसमें कोई ठोस प्रयास नहीं किया जा रहे हैं, जिससे संपूर्ण कुमाऊं मण्डल की जनता प्रभावित हो रही है। साथ ही पूरे देश से आने वाले पर्यटक भी जाम में फंसकर परेशान हो रहे हैं। इससे पर्यटन व्यवसाय में भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

सूचना क्रांति और पंचायतीराज के जनक थे राजीव गांधी

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
महानगर कांग्रेस कमेटी ने नेहरू युवा केन्द्र में सूचना क्रांति के जनक पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर आज श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गयी।
श्रद्धांजलि सभा में महानगर कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष अमन गर्ग और स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष मुरली मनोहर ने कहाकि राजीव गांधी भारत के सूचना क्रांति के नायक के साथ ही पंचायती राज के जनक थे, जिन्होंने लोकतंत्र को मजबूत करने का काम किया। उनके बलिदान से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए और उनके दिखाए मार्ग पर चलकर देश को एकजुट रखने के लिए हमें संकल्प लेना चाहिए, यही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।
पूर्व विधायक रामयश सिंह और वरिष्ठ नेता ओपी चौहान ने राजीव गांधी के साथ किए गये कार्यों को याद कर अपने अनुभव साझा किए और बताया कि उन्हें अमेठी लोकसभा चुनाव में 1989 में राजीव गांधी के नेतृत्व में बूथ मैनेजमेंट करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।वरिष्ठ नेता राजबीर सिंह और पूर्व महिला कांग्रेस अध्यक्ष विमला पाण्डेय ने कहा कि राजीव गांधी को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके दिखाएं मार्ग पर चलकर देश की एकता, अखण्डता को सांप्रदायिक ताकतों से लड़कर बचाने का काम करेंगे।
निवर्तमान पार्षद सुहैल कुरैशी, पूर्व यूथ कांग्रेस अध्यक्ष रवि बाबू शर्मा, नगर अध्यक्ष ज्वालापुर अंकित चौहान, वरिष्ठ नेता मनोज सैनी, एनएसयूआई अध्यक्ष याज्ञिक वर्मा, वरिष्ठ नेता बीएस तेजियान ने भी अपने विचार व्यक्त किए।
श्रद्धांजलि सभा में ब्लॉक अध्यक्ष अमित नौटियाल, शहाबुद्दीन अंसारी, तहसीन अंसारी, रचना शर्मा,विजया जोशी, अंजू द्विवेदी, रफी खान,नवाज अब्बासी, कपिल पाराशर, ऐश्वर्य पंत, रिषभ अरोड़ा, शौकत अली, बीपीएस तेजियान, इरफान कुरैशी, समर्थ अग्रवाल, आरिफ कुरैशी आदि कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

ऋषिकेश मे स्ट्रांगमैन बनकर चमका बिलारी का मोहम्मद कैफ बना ओवर आल चैंपियन जीता गोल्ड

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
ऋषिकेश सनराइज बैंकेट लॉन में हुई स्ट्रांगमैन वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता जिसमें अंडर-90 श्रेणी के खेमें मे ग्राफिक एरा के छात्र मोहम्मद कैफ ने अपना जलवा बिखेरा जिसमें उन्होंने 55 केजी के भारी डंबल को 30 सेकंड में एक हाथ से 7 बार सर से उपर उठाया और साथ ही 205केजी टायर डेडलिफ्ट को 30 सेकंड मे 15 बार उठाया ओर 200केजी को उठाकर चलकर 200 मीटर की फार्मर वाक को 50 सेकंड मे पूरा करके ओवर आल खिताब अपने नाम किया ओर इसी के साथ वे बन गये स्ट्रांगमन चैंपियन ओर इस टाइटल को उन्होंने अपने नाम दूसरी बार किया।

अंधड़ से गिरा पेड़, दो मकान क्षतिग्रस्त

आंधी

एक बालिका को गंभीरता चोट आने पर उसे हायर सेंटर बागेश्वर रेफर किया गया है।

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले के देवाल विकास खंड के सरकोट गांव में सोमवार की देर सायं आयी तेज आंधी से चीड़ का पेड़ गिरने से दो मकान क्षतिग्रस्त हो गए और परिवार के चार लोग घायल हो गए। इसमें एक बालिका को गंभीरता चोट आने पर उसे हायर सेंटर बागेश्वर रेफर किया गया है।
सरकोट गांव के ग्राम प्रधान सुनीता तिवारी और भरत कुमार ने बताया है कि सोमवार की देर सायं को क्षेत्र में तेज आंधी तूफान से सरकोट गांव निवासी मोहन राम और उमेश राम के आवासीय मकान व गौशाला में दो बड़े चीड़ के पेड़ गिरने से मकान क्षतिग्रस्त हो गया है। मकान के अंदर कविता उम्र 19 वर्ष पुत्री मोहन राम के सिर हाथ पैरों में गंभीर चोट आयी हैं। रात्रि में कविता को सीएचसी बैजनाथ ले जाया गया प्राथमिक उपचार के बाद बागेश्वर हायर सेंटर रेफर किया गया है,वहीं 32 वर्षीय रेखा देवी पत्नी मोहन राम, 38 वर्षीय पार्वती देवी पत्नी उमेश राम, 15 वर्षीय रोशनी पुत्री उमेश राम को भी चोट लगी है।

आलू के बीज के लिए काश्तकारों की बाजारों पर निर्भरता होगी कम

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले में आलू का उत्पादन विभिन्न क्षेत्रों में किया जाता है। यहां जैविक खादों के साथ आलू के उत्पादन के चलते इसकी मैदानी बाजारों में अच्छी मांग रहती है। लेकिन जनपद के काश्तकारों को उन्नतशील बीज न मिलने से उन्हें परेशानी का सामाना करना पड़ता था। इसे देखते हुए प्रशासन की ओर से ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना के तहत जनपद में ही बीज उत्पादन की योजना तैयार की है। योजना के प्रथम चरण में देवाल ब्लॉक के मुंदोली गावं को चयनित किया गया है।
चमोली जिले के देवाल, थराली, दशोली, जोशीमठ, निजमूला नीति और माणा घाटियों में काश्तकार व्यावसायिक स्तर पर आलू का उत्पादन करते हैं। लेकिन वर्तमान तक काश्तकार आलू के उन्नतशील बीज के लिए बाहरी बाजारों पर निर्भर हैं। ऐसे में छोटी जोत के किसानों को आलू के उत्पादन से सीमित लाभ मिल पाता है। जिसे देखते हुए विकास विभाग ने छोटी जोत के किसानों की आय बढ़ाने की मंशा से ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना के तहत जनपद में ही आलू बीज के उत्पादन की योजना बनाई है। योजना के संचालन के लिए पहले चरण में देवाल ब्लॉक के मुंदोली गांव को चुना गया है। जहां आलू के उन्नतशील बीज का उत्पादन कर जनपद के काश्तकारों को उपलब्ध कराया जाएगा। इससे जहां आलू का व्यावसायिक उत्पादन करने वाले काश्तकारों की बीज के लिए बाहरी बाजारों पर निर्भरता कम हो जाएगी, वहीं बीज के विपणन से छोटी जोत वाले किसानों की आय में भी वृद्धि हो सकेगी।

क्या कहते हैं अधिकारी?
चमोली में की जलवायु आलू के उत्पादन के लिये बेहतर है। ऐसे में आलू के बीज का उत्पादन से काश्तकारों की आय को सुदृढ़ किया जा रहा है। जिसे देखते हुए काश्तकारों को तकनीकी सहयोग देकर उत्पादन में उच्चतम स्तर की गुणवत्ता प्राप्त की जाएगी। जिसके लिए रीप परियोजना के माध्यम से काश्तकारों को सहयोग दिया जा रहा है।

देवभूमि के तीर्थाटन-पर्यटन की ब्रांडिंग, आर्थिक शक्ति बनकर उभरेगा उत्तराखंड

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
धामी सरकार उत्तराखंड की विश्व पटल पर सशक्त पहचान बनाने के लिए देवभूमि के तीर्थाटन-पर्यटन की ब्रांडिंग करेगी। इसके लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक और पहल की है। अब बिना पंजीकरण चारधाम यात्रा पर आने वाले तीर्थयात्रियों को चारधाम से इतर अन्य धार्मिक-आध्यात्मिक स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे। इन यात्रियों को चारधाम यात्रा में नंबर आने तक दूसरे तीर्थ और पर्यटक स्थल से जोड़ने की पहल उत्तराखंड को आर्थिक रूप से मजबूत बनाएगी।
उत्तराखंड प्राकृतिक सुंदरता परिपूर्ण होने के साथ धार्मिक आस्थाओं का गढ़ भी है। पर्यटन के लिहाज से यह बेहद समृद्ध है। यही कारण है कि देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी पर्यटक उत्तराखंड की सैर करने आते हैं। उत्तराखंड को देवभूमि कहा जाता है। मान्यता है कि यहां के कण-कण में देवताओं का निवास है। चारों तरफ हरियाली और ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों से घिरे उत्तराखंड में चारधाम हैं, जहां हर वर्ष लाखों श्रद्धालु दर्शन को आते हैं। धामी ने कहा है कि बड़ी संख्या में ऐसे यात्री भी उत्तराखंड आ रहे हैं, जिनका चारधाम यात्रा के लिए पंजीकरण नहीं हुआ है। ऐसे यात्रियों के लिए पुलिस और पर्यटन विभाग मिलकर चारधाम से इतर अन्य धार्मिक-आध्यात्मिक स्थलों के दर्शन कराएंगे।
दरअसल, चारधाम यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण में यात्रियों की संख्या 30 लाख के पार हो चुकी है। हर धाम में अब तय मानक से दोगुने तक यात्री पहुंच रहे हैं। ऐसे में ऑफलाइन पंजीकरण काउंटर भी 31 मई तक बंद कर दिए गए हैं। केदारनाथ, बद्रीनाथ, यमुनोत्री व गंगोत्री समेत चारों धामों के लिए श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या के मद्देनजर ऑफलाइन पंजीकरण पर रोक लगानी पड़ी है। उत्तराखंड के प्रति लगाव बढ़ाने के साथ देश-दुनिया से आने वाले तीर्थयात्रियों को कोई भी परेशानी न हो, इसके लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि उत्तराखंड आने वाला हर यात्री प्रदेश का अतिथि है। उन्होंने ड्यूटीरत सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को अतिथि देवो भवः के साथ आतिथ्य सत्कार करने को कहा है। इससे विश्व फलक उत्तराखंड के प्रति देश-दुनिया की रुचि बढ़ेगी। शासन-प्रशासन के प्रति भी अच्छा संदेश जाएगा।
गौरतलब है कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर सूचना विभाग पिछले दिनों से राज्य के प्रमुख तीर्थ-पर्यटन स्थलों की ब्रांडिंग के लिए सोशल मीडिया पर अभियान भी चला रहा है। छोटी-छोटी रील्स के जरिए यात्रियों को हर तीर्थ स्थल की जानकारी दी जा रही है।

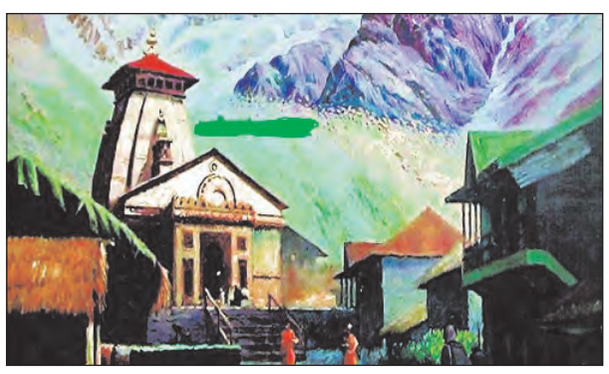

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल अभियन्ता/II/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदा दाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगें। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	29-DRM-24-25 Date 20.05.2024	30-DRM-MB-24-25 Date 20.05.2024
कार्य का नाम	Provision to cover shed over LHS 33, 34 (RAC-SPC) in the section of SSE/W/SPC under ADEN/II/HRI	Provision to cover shed over LHS 37, 29 (ON-BLM) in the section of SSE/W/BLM under ADEN/II/HRI
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	13.06.2024 16:00	13.06.2024 16:00
अनुमानित लागत	1,40,24,859.14	1,40,24,971.72
धरोहर राशि	2,20,100.00	2,20,100.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	30.05.2024	30.05.2024
आफर की वैधता	60 दिन	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह	06 माह

नं. 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक : 20.05.2024 1525/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल अभियन्ता/II/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदा दाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगें। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	27-DRM-MB-24-25 Date 21.05.2024	28-DRM-MB-24-25 Date 21.05.2024	31-DRM-MB-24-25 Date 21.05.2024
कार्य का नाम	Provision to cover shed over LHS 39,67 (ON-BLM) in the section of SSE/W/BLM under ADEN/II/HRI	Provision to cover shed over LHS 53, 51 (ON-BLM) in the section of SSE/W/BLM under ADEN/II/HRI	Provision of Toilet Facility at various Level Crossing under Jurisdiction of DEN/II/MB
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	18.06.2024 16:00	18.06.2024 16:00	18.06.2024 16:00
अनुमानित लागत	1,40,25,422.02	1,40,25,196.87	75,86,799.42
धरोहर राशि	2,20,100.00	2,20,100.00	1,51,700.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	04.06.2024	04.06.2024	04.06.2024
आफर की वैधता	60 दिन	60 दिन	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह	06 माह	06 माह

नं. 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक : 21.05.2024 1537/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पुलिस महानिदेशक ने बदरीनाथ धाम पहुंच कर लिया सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा

निरीक्षण

▶▶-यात्रा और सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर दिये गये आवश्यक दिशा-निर्देश

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया

पुलिस महानिदेशक, उत्तराखंड अभिनव कुमार ने मंगलवार को बदरीनाथ धाम यात्रा और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

पुलिस महानिदेशक अभिनव ने कहा कि चारधाम यात्रा पर आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु हमारे अतिथि के समान है, हमें अतिथि देवो भवः की भावना के साथ यात्रियों की सुरक्षा एवं सहयोग करना चाहिए।

उन्होंने बताया कि उत्तराखंड पुलिस श्रद्धालुओं की यात्रा को सरल, सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए लगातार तत्पर है। कोई भी यात्री बिना रजिस्ट्रेशन और रजिस्ट्रेशन की तिथि से पूर्व यात्रा पर न आएं। उत्तराखंड पुलिस चारधाम यात्रा के लिए आ रहे सभी तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। धामों में भीड़ के अत्याधिक दबाव के कारण वाहनों को विभिन्न जगहों पर रोका जा रहा है। उन्होंने चारधाम यात्रा में सीजन ड्यूटी में नियुक्त जनपद और बाहरी जनपदों से आये पुलिस बल के ठहरने के लिए आवासीय बैरिक, बिजली, पानी, शौचालयों की व्यवस्थाओं का भैतिक निरीक्षण किया गया।

उन्होंने बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत चल रहे निर्माण कार्यों के कारण यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए संबंधित निर्माण इकाई से समन्वय स्थापित कर यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए निर्देश दिए गये।

कांग्रेसजनों ने स्व. राजीव गांधी की पुण्यपतिथि पर लगाई छबील

बलिदान दिवस

▶▶ मंगलवार को कांग्रेसजनों ने स्व. राजीव गांधी की मूर्ति पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी के बलिदान दिवस पर 21 मई मीठे पानी का छबील लगा कर राजीव गांधी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। मंगलवार को कांग्रेसजनों ने स्व. राजीव गांधी की मूर्ति पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की। राजीव गांधी अमर रहे, जब तक सूरज चांद रहेगा राजीव तेरा नाम रहेगा आदि नारे लगाकर अपने प्रिय नेता को श्रद्धांजलि दी।

कांग्रेस वक्ताओं ने राजीव गांधी को भारत में सूचना क्रान्ति का जनक बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का सदैव ही पंचायतों की मजबूती व उन्हें अधिकार सम्पन्न बनाये जाने पर जोर रहा है। पंचायतों की इसी मजबूती के लिए स्व. राजीव गांधी के प्रधानमंत्रित्वकाल में कांग्रेस ने संविधान में 73वें एवं 74वें संषोधन के माध्यम से पंचायतों को और अधिक प्रभुतासम्पन्न बनाने का कार्य किया गया।

कार्यक्रम में प्रदेश प्रवक्ता सुनीता प्रकाश, सुलेमान अली, ओम प्रकाश सती बब्बन, प्रवक्ता मोहन काला, नवीन रमोला, राजेश चमोली, ब्लाक अध्यक्ष गिरीश भद्री, महानगर अध्यक्ष डॉ0 जसविन्द सिंह गोगी, महामंत्री संजय कनौजिया, अनुराधा तिवाडी, विशाल मौर्य, सलमान अहमद, सूरज क्षेत्री, फैजल खान, रोहित राणा आदि अनेक कांग्रेसजन उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड ने फाइनेंशियल ईयर 24 के लिए शानदार वित्तीय नतीजे किए घोषित

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

डोमेस्टिक और इंटरनेशनल बाजारों में ब्रांडेड और अन-ब्रांडेड बासमती और नॉन -बासमती राइस की मैन्युफैक्चरिंग, ट्रेडिंग, प्रोसेसिंग और मार्केटिंग के व्यवसाय में लगी सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड (बीएसईः 543688, एनएसईः सर्वेश्वर) ने घोषणा की है 16 मई, 2024 को आयोजित बोर्ड मीटिंग में 31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही और पूरे वर्ष के लिए इसके ऑडिटेड फाइनेंशियल रिजल्ट्स घोषित कर दिए हैं।

31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए ऑपरेशनल रेवेन्यू 247.32 करोड़ रुपये (फाइनेंशियल ईयर 24 की चौथी तिमाही) के मुकाबले 129.81 करोड़ रुपये (फाइनेंशियल ईयर 23 की चौथी तिमाही) 91 प्रतिशत की सालाना वृद्धि में प्राप्त हुए। इस प्रभावशाली वृद्धि का श्रेय मुख्य रूप से भारत सरकार की भारत चावल योजना के माध्यम से अधिक मात्रा में चावल की आपूर्ति और विस्तारित ग्राहक आधार को दिया जाता है। तिमाही के लिए एबिटा (म्ठप्ज्क।) 14.20 करोड़ रुपये था, जिसमें सालाना 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई। फाइनेंशियल ईयर 24 की चौथी तिमाही का लाभ 4.14 करोड़ रुपये था, जिसमें सालाना 129 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

31 मार्च, 2024 को समाप्त पूरे वर्ष के लिए,ऑपरेशनल रेवेन्यू फाइनेंशियल ईयर 24 में 869.59 करोड़ रुपये के मुकाबले फाइनेंशियल ईयर 23 में 689.32 करोड़ रुपये, सालाना 26 प्रतिशत की वृद्धि में प्राप्त हुए। यह वृद्धि बी2बी ग्राहकों को उत्पादों की आपूर्ति में वृद्धि से प्रेरित थी। फाइनेंशियल ईयर 24 के लिए एबिटा में 55.79 करोड़ रुपये, अर्थात सालाना 72 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, यह मुख्य रूप से नए जियोग्राफिक्स और वस्तुओं में उच्च बिक्री और विस्तार के कारण था। फाइनेंशियल ईयर 24 का लाभ 16.78 करोड़ रुपये, सालाना आधार पर 115 प्रतिशत की वृद्धि के साथ प्राप्त हुआ।

परिणाम पर टिप्पणी करते हुए, सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड के चेयरमैन, रोहित गुप्ता ने कहा कि फाइनेंशियल ईयर 2024 के वित्तीय परिणाम हमारी कंपनी के लिए ग्रोथ और स्ट्रेटिजिक एक्सपेंशन की एक उल्लेखनीय अवधि को रेखांकित करते हैं।

तिमाही के दौरान, हमने नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड से लगभग 6 मिलियन अमरीकी डालर (50 करोड़ रुपये) का आकर्षक एक्सपोर्ट ऑर्डर हासिल किया। यह हमारे ग्लोबल फुटप्रिंट का विस्तार करने और रेवेन्यू स्ट्रीम्स को बढ़ाने में हमारी सफलता को उजागर करता है, साथ ही इंटरनेशनल ट्रेड में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में हमारी प्रतिष्ठा की पुष्टि करता है। हम पंजाब और दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में अपने सिग्नेचर निम्बार्क ऑर्गेनिक स्टोर खोलने की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं। ये स्टोर्स उपभोक्ताओं की बढ़ती प्राथमिकताओं, विशेषकर ऑर्गेनिक फूड प्रोडक्ट्स की बढ़ती मांग को पूरा करते हैं। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हम भारत सरकार की भारत राइस इनिशिएटिव से जुड़े हैं, जिसका उद्देश्य किफायती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण चावल उपलब्ध करवाना है। यह पहल भारतीय परिवारों को राहत देने और समाज के सबसे कमजोर वर्गों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है। यह हमारी ईएसजी स्ट्रेटिजीज के साथ भी अलाइन है, सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है और समुदाय में सकारात्मक योगदान देता है। आगे देखते हुए, हम सस्टेनेबल ग्रोथ, शेयरहोल्डर वैल्यू को बढ़ाने और बाजार की बदलती गतिशीलता को अपनाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड (एसएफएल) एक आईएसओ 22000:2018 और यूएसएफडीए (यूनाइटेड स्टेट्स फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन) प्रमाणित कंपनी है। इसके अलावा सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड के पास अपने उत्पादों के लिए बीआरसी (खाद्य सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा वैश्विक मानक), कोषेर , एनपीपीओ यूएसए और चीन के साथ-साथ एनओपी-यूएसडीए ऑर्गेनिक प्रमाणन भी है।

कंपनी घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में ब्रांडेड और गैर-ब्रांडेड बासमती और गैर-बासमती चावल की मैन्युफैक्चरिंग, ट्रेडिंग, प्रोसेसिंग और मार्केटिंग के व्यवसाय में लगी हुई है। हमारे ऑपरेशन्स जम्मू और कश्मीर राज्य में जम्मू क्षेत्र पर आधारित है। सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड के पास 130 से अधिक वर्षों से राइस सर्विंग की हेल्दी और टेस्टी टिकाऊ तथा इको $वी विरासत है और पिछले कुछ दशकों में एफएमसीजी और ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स की अन्य प्रीमियम केटेगरीज में इसकी विरासत का प्रसार हुआ है।

मुख्यमंत्री के बाहरी लोगों की जांच के निर्णय का किया स्वागत

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के बाहरी लोगों की जांच के निर्णय का राज्य आंदोलनकारियों ने स्वागत किया है। प्रमुख राज्य आंदोलनकारी हुकम सिंह कुंवर ने कहा कि उत्तराखंड गठन के बाद प्रदेश में जनसंख्या ढांचे में बदलाव आया है, जबकि पहाड़ के अधिकांश गांव खाली हो गए हैं। पलायन में भी बढ़ोत्तरी हुई है, फिर भी जनसंख्या में भारी बढ़ोत्तरी चिंता का विषय है, इसकी पड़ताल होनी चाहिए। राज्य बनने के बाद अवैध कब्जे भी बढ़े हैं। राज्य आंदोलनकारी समाज संगठन ने कहा कि यह पहाड़ी राज्य होने के साथ साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा से भी लगा है।

मंत्री डा. अग्रवाल ने की वित्त विभाग की समीक्षा, उच्चअधिकारियों को दिए निर्देश

समीक्षा बैठक

▶▶वित्त मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने वित्त विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ विभागीय समीक्षा बैठक की।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

वित्त मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने मंगलवार को वित्त विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ विभागीय समीक्षा बैठक की। इसमें उन्होंने सोसायटी रजिस्ट्रेशन के लिए नियमावली बनाने पर रजिस्ट्रार चिट फंड पर सचिव वित्त को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

विधानसभा में हुई समीक्षा बैठक में बजट अधिकारी मनमोहन मनाली द्वारा वर्ष 2023-24 की उपलब्धियां बताई गईं। इसमें उच्च अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2022-23 में कुल व्यय 56 हजार करोड रुपये रहा जबकि वर्ष 2023-24 में यह व्यय बढ़कर 60 हजार करोड़ रुपये हो गया। इस प्रकार वर्ष 22-23 की तुलना में लगभग 4000 करोड़ का अधिक व्यय हुआ है। पूंजीगत परिव्यय 10982 करोड़ का हुआ। जो 2022-23 में 8195 करोड रुपए था। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अभी तक रेवेन्यू सरप्लस की स्थिति है। जीएसटी में लगभग 13 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। चालू वित्तीय वर्ष में बजट के अनुमान का अभी तक लगभग 11 प्रतिशत राजस्व प्राप्ति हो चुकी है यह वृद्धि मुख्यतः एसजीएसटी, वैट, स्टांप, आबकारी आदि विभाग द्वारा देखी जा रही है।डॉ. अग्रवाल ने वर्ष 2023-24 में किए गए नवाचार व उपलब्धियां के लिए सराहना की। साथ ही कैपिटल आउटले में 34 प्रतिशत की वृद्धि होने पर सराहना की। उन्होंने राज्य के कर राजस्व में भी वृद्धि की सराहना की। नॉन टैक्स में वृद्धि की संभावना तथा विभाग को केंद्र पोषित योजना की विशेष समीक्षा करने के निर्देश दिए और यूसी समय पर देने के लिए कहा। उन्होंने उच्चाधिकारियों से मोमेंटम को बनाए रखने की बात कही। डॉ. अग्रवाल ने 30 जून तक वित्त विभाग में रिक्त पद तथा पदोन्नति पर आवश्यक कार्रवाई करने के लिए भी कहा। उन्होंने पेंशनर की मृत्यु होने पर परिजनों को दिक्कत ना हो इसके लिए आवश्यक व्यवस्था बनाने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने जीएसटी विभाग को प्रवर्तन की कार्यवाही बढ़ाने के लिए निर्देश दिए।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव आनंद वर्धन, सचिव वित्त वी षणमुगम, दिलीप जावलकर, एसएन पांडे, अपर सचिव वित्त अमिता जोशी, अपर सचिव वित्त गंगा प्रसाद, आयुक्त राज्य कर अहमद इकबाल, अपर आयुक्त राज्य कर आईएस बृजवाल, बजट अधिकारी मनमोहन मनाली, निदेशक कोषागार डीसी लोहानी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कांग्रेस भवन में राजीव गांधी को दी गई श्रद्धांजलि

पुण्यतिथि

▶▶पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

देहरादून

कांग्रेस भवन में मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

महानगर अध्यक्ष डॉ. जसविंदर सिंह गोगी ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

21 मई 1991 को एक आत्मघाती बम धमाके में भारत रत्न राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी। उन्होंने 1980 में राजनीति में कदम रखा तो उन्हें मिस्टर क्लीन मानव जाता था। विदेश में पढ़ाई करने वाला एक नौजवान महज 40 साल की उम्र में राष्ट्रीय राजनीति की ऊंचाइयों तक पहुंच गया। ऐसे राजीव गांधी को कांग्रेसजनों ने श्रद्धाजंलि अर्पित की। इस अवसर पर जल और सर्बत वितरण कार्यक्रम किया गया।

कर्मचारियों की व्यवस्था बैठक 24 को: अरुण पांडे

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष अरुण पांडे ने मंगलवार को बताया कि कर्मचारियों की व्यवस्था बैठक 24 मई को होगी।

पांडे के अनुसार राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद द्वारा एकल पद धारक कार्मिकों की समस्याओं एवं उच्च शिक्षा विभाग में कार्यरत प्रयोगशाला सहायक और विभिन्न विभागों में कार्यरत स्टोर कीपर संवर्ग की पदोन्नति के प्रकरण की मांग को शासन स्तर पर उठाया गया था। इसके निराकरण हेतु सम्बन्धित संवर्गों के संघ पदाधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित किए जाने का प्रस्ताव अपर मुख्य सचिव कार्मिक को दिया गया था जिस पर शासन ने सहमति जताते हुए जल्द ही उक्त बैठक आयोजित कराए जाने का आश्वासन परिषद को दिया गया था।

सड़क से लेकर केदारनाथ धाम तक सब कुछ ओके, प्रभारी सचिव बोले-और सुदृढ़ बनाएंगे व्यवस्था

रुद्रप्रयाग/देहरादून

श्रीकेदारनाथ धाम में दर्शन करने पहुंच रहे श्रद्धालुओं की यात्रा सुगम हो, इसके लिए शासन स्तर के अधिकारी ग्राउंड जीरो पर निगरानी कर रहे हैं। रुद्रप्रयाग जनपद भ्रमण के दूसरे दिन मंगलवार को स्वास्थ्य सचिव और यात्रा प्रभारी सचिव डॉ. आर राजेश कुमार ने संबंधित अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण कर सुविधा व्यवस्था परखी और आवश्यक निर्देश दिए। प्रभारी सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का प्रयास है कि चारधाम में जो भी श्रद्धालु दर्शन करने आ रहे हैं उन्हें सभी मूलभूत सुविधाएं मिले और अतिथि देवो भवः की परंपरा के तहत उनका स्वागत किया जाए, ताकि उनकी यात्रा सुगम हो और वे अपने साथ उत्तराखंड से सुखद अनुभव लेकर जाएं। इसी उद्देश्य से व्यवस्थाओं की समीक्षा की जा रही है, ताकि जिला स्तर पर जो सुविधा व्यवस्था उपलब्ध नहीं कराई जा सकी है वह शासन स्तर पर तत्काल उपलब्ध कराई जा सके।

स्वास्थ्य सचिव ने सिरोबगड़ से सोनप्रयाग तक यात्रा पड़ाव का निरीक्षण करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो क्षेत्र स्लाडिंग जोन हैं उनमें जेसीबी मशीनों की उपलब्धता हो, ताकि यात्रा मार्ग बाधित होने पर उसे तत्काल सुचारु किया जा सके। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने पार्किंग का उचित प्रबंधन किया है किंतु भारी संख्या में श्रद्धालुओं के निरंतर आने से जगह-जगह जाम की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में केदारनाथ यात्रा पड़ाव सीतापुर, सोनप्रयाग आदि स्थानों पर पार्किंग फुल होने पर यातायात को पीछे ही रोका जाए, ताकि जाम की स्थिति न होने पाए। केदारनाथ धाम यात्रा की सुविधा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्परता से और सुदृढ़ व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

दुकानों-होटलों पर चस्पा कराएं रेट लिस्ट, गुणवत्ता का रखें ख्याल

उन्होंने अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा मनोज कुमार सेमवाल को निर्देश दिए कि केदारनाथ धाम में दर्शन करने पहुंच रहे तीर्थयात्रियों से ओवर रेटिंग न हो। इसके लिए सभी दुकानों, होटलों, रेस्टोरेंट व ढाबों में रेट लिस्ट अनिवार्य रूप से चस्पा किया जाए

मल्लीताल कोतवाली पुलिस ने की स्मैक की बड़ी खेप पकड़ी

बरामदगी

▶▶-31.99 ग्राम स्मैक पकड़ी, इससे पहले 31 मार्च को पकड़ी थी 16 ग्राम स्मैक

नैनीताल

नैनीताल की मल्लीताल पुलिस ने एक बार फिर करीब डेढ़ माह बाद अपनी सबसे बड़ी स्मैक की बरामदगी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। बीती 31 मार्च को मल्लीताल कोतवाली के अंतर्गत मंगोली चौकी पुलिस ने एक 28 वर्षीय स्मैक तस्कर को स्कूटी से 16 ग्राम स्मैक लाते हुये पकड़ा था, जबकि अब मंगोली चौकी पुलिस ने ही एक 48 वर्षीय व्यक्ति को 31.99 ग्राम यानी करीब दो गुनी मात्रा में स्मैक के साथ पकड़ा है। जो जिला-मंडल मुख्यालय में अब तक की सबसे बड़ी बरामदगी है।

मंगोली चौकी पुलिस की टीम ने घटगड़ स्थित वन विभाग की चौकी के पास चेकिंग के दौरान एक बाइक सवार से 31.99 ग्राम स्मैक बरामद की। बाइक सवार की पहचान 48 वर्षीय कुँवर ललित विजय सिंह उर्फ ललित पुत्र जादो राम निवासी वार्ड नंबर 61 कानून गोयान बरेली के रूप में हुई है। उसके विरुद्ध थाना मल्लीताल में एनडीपीएस अधिनियम की धारा धारा 8/21 के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है।

पूछताछ पर आरोपित ने बताया कि वह बरेली से स्मैक लाकर नैनीताल में युवाओं को बेचने जा रहा था।

चारधाम यात्राः यमुनोत्री धाम में श्रद्धालुओं को दर्शन के लिये 60 मिनट का समय निर्धारित

आदेश जारी

▶▶- -यमुनोत्री दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत जिला मजिस्ट्रेट ने जारी किया आदेश

उत्तरकाशी,

उत्तराखंड चारधाम यात्रा पर लगातार बढ़ रहे दवाब के चलते जिला प्रशासन ने श्री यमुनोत्री धाम में श्रद्धालुओं को दर्शन के लिये 60 मिनट का समय निर्धारित कर दिया है। इसके दायरे में घोड़े-खच्चर और डंडी-कंडी संचालक भी आएंगे। वे भी प्रशासन की निर्धारित समयावधि का पालन करेंगे। इसके लिए जिला प्रशासन ने नयी एसओपी जारी कर दी है।

जिला मजिस्ट्रेट डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने यमुनोत्री दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत आदेश जारी करते हुए सोमवार से श्री यमुनोत्री धाम में दर्शन करने वाले यात्रियों के लिए 60 मिनट का समय निर्धारित किया है। साथ ही जानकीचट्टी से यमुनोत्री तक घोड़े-खच्चर और डण्डी के आवागमन के लिए अधिकतम संख्या 60 मिनट की समयावधि निर्धारित की है।

जिला मजिस्ट्रेट ने श्री यमुनोत्री धाम में पैदल यात्रा मार्ग पर यात्रियों के आवागमन को सुगम, सुरक्षित एवं शान्तिपूर्वक ढंग से संपादित करने के लिए उप जिलाधिकारी, बड़कोट, पुलिस उपाधीक्षक, बड़कोट एवं अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत, उत्तरकाशी की संयुक्त रिपोर्ट के आधार पर यमुनोत्री धाम पैदल यात्रा मार्ग संकरा होने के कारण भीड़ नियन्त्रण, जानमाल के खतरे और यात्रियों की सुरक्षा के दृष्टिगत के लिए नई एसोओपी जारी कर दी है।

इसके अनुसार यमुनोत्री मार्ग पर घोड़े-खच्चरों के आवागमन का समय प्रातः 4 बजे से सायं 5 बजे तक निर्धारित किया गया है। आदेशानुसार घोड़े-खच्चरों की संख्या 800 पूर्ण होने के पश्चात घोड़े-खच्चर उसी अनुपात में जानकीचट्टी से भेजे जाएंगे, जिस अनुपात में यमुनोत्री से वापस आएंगे। प्रत्येक घोड़े-खच्चर के प्रस्थान, यात्री के दर्शन और वापसी को कुल 05 घंटे का समय निर्धारित किया करते हुए आदेश में कहा गया है कि 05 घंटे से अधिक कोई भी घोड़ा-खच्चर किसी भी दशा में यात्रा मार्ग पर नहीं रहेगा। यदि घोड़े-खच्चर कम संख्या में हैं, तो उनको क्रमानुसार रोटेशन के आधार पर जाने दिया जायेगा।

यात्री के श्री यमुनोत्री धाम पहुंचने पर दर्शन आदि के लिए 60 मिनट का समय निर्धारित किया गया है। इस संबंध में मंदिर समिति से स्वयंसेवक तैनात करते हुए उक्त व्यवस्था का अनुपालन करवाये जाने की अपेक्षा की गई है। आदेश में यह व्यवस्था दी गई है कि अपरिहार्य स्थिति को छोड़ते हुये घोड़ा-खच्चर संचालक 60 मिनट का इंतजार करने के पश्चात घोड़ा पड़ाव में तैनात जिला पंचायत के कर्मी से अनुमति प्राप्त कर यात्री के बिना वापस लौट आयेगा। प्रीपेड काउंटर पर ही पर्चियां काटी जायेगी, वहीं पर भुगतान की व्यवस्था की जाये और यात्रीगणों को लाउडस्पीकर के माध्यम से अवगत कराया जायेगा। घोड़े खच्चर का संचालन प्रीपेड काउंटर से ही किया जायेगा।

जिला मजिस्ट्रेट के उक्त आदेश में जानकीचट्टी से यमुनोत्री आने-जाने वाली डंडी-कंडी की संख्या अधिकतम 300 निर्धारित की गई है। डण्डी-कंडी के आवागमन का समय प्रातः 4 बजे से सायं 4 बजे तक निर्धारित किया जाता है। डंडी-कंडी के लिये आवागमन का समय 06 घंटा निर्धारित किया गया है। इन्हें 50 के लॉट में छोड़े जायेगा। एक लॉट के छोड़े जाने के पश्चात दूसरा लॉट 01 घण्टे के अंतराल में रोटेशन अनुसार छोड़ा जायेगा। डण्डी का संचालन बिरला धर्मशाला से किया जायेगा अन्यत्र किसी भी स्थान से संचालन की अनुमति नहीं दी जायेगी। आदेशानुसार अपरिहार्य स्थिति को छोड़ते हुए डंडी संचालक 60 मिनट का इंतजार करने के पश्चात घोड़ा पड़ाव में तैनात जिला पंचायत के कर्मी से अनुमति प्राप्त कर यात्री के बिना वापस लौट आयेगा।उक्त आदेश के अनुसार श्री यमुनोत्री धाम में घोड़ा पड़ाव से आगे किसी भी दशा में घोड़ा-खच्चर और डण्डी के जाने पर पूरी तरह से रोक लगाई गई है। यदि किसी व्यक्ति द्वारा इस आदेश का उल्लंघन किया जाता है, तो उसका यह कृत्य भारतीय दण्ड संहिता की धारा188 के अन्तर्गत दण्डनीय होगा।

संपादकीय

जैव विविधता पर संकट के बादल

जीव-जंतु तथा पेड़-पौधे भी मनुष्यों की ही भांति ही धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन मनुष्य ने अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर न केवल वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है बल्कि वनस्पतियों का भी तेजी से सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इको सिस्टम भी कहा जाता है लेकिन चिंतनीय स्थिति यह है कि धरती पर अब वन्य जीवों तथा दुर्लभ वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्यजीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहा है। यही स्थिति वनस्पतियों के मामले में भी है। वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवन में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। आज मानवीय क्रियाकलापों तथा अतिक्रमण के अलावा प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं तथा वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इस संबंध में ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्व किताब में विस्तार से उल्लेख किया गया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। दरअसल विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण जिस प्रकार असंतुलित हो रहा है, वह पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बना है। पर्यावरण के इसी असंतुलन का परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में देख और भुगत भी रही है। लगभग हर देश में कुछ ऐसे जीव-जंतु और पेड़-पौधे पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते जीव-जंतुओं के आशियाने लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं। वनस्पतियों की कई प्रजातियों का भी अस्तित्व मिट रहा है। हालांकि जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों की विविधता से ही पृथ्वी का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए भी लुप्तप्रायः पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है। इसीलिए पृथ्वी पर मौजूद जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए तथा जैव विविधता के मुद्दों के बारे में लोगों में जागरुकता और समझ बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मई को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। 20 दिसम्बर, 2000 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा प्रस्ताव पारित करके इसे मनाने की शुरूआत की गई थी। इस प्रस्ताव पर 193 देशों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। दरअसल 22 मई, 1992 को नैरोबी एक्ट में जैव विविधता पर अभिसमय के पाठ को स्वीकार किया गया था।

भारतीय मसालों की प्रतिष्ठा धूमिल करने की कोशिशें

डॉ. रामानुज पाठक

> "मसाला बोर्ड (वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय) भारतीय मसालों के विकास और विश्वव्यापी प्रचार हेतु प्रमुख संगठन है। यह मसाला बोर्ड अधिनियम, 1986 द्वारा स्थापित किया गया था।भारत में कुछ राज्य ऐसे हैं जो उन मसालों का उत्पादन करते हैं जिनका राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में बहुत अधिक मूल्य है। सबसे अच्छा उदाहरण 'कश्मीरी केसर' है जो दुनिया का सबसे अच्छा केसर है।
> कश्मीरी केसर को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग का दर्जा मिला है।यह सुखद आश्चर्य है कि भारत अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आईएसओ)
> द्वारा सूचीबद्ध 109 मसाला की किस्मों में से लगभग 75 का उत्पादन करता है"

मसाले बीज, फल, छाल, राइजोम और पौधों के अन्य भागों से प्राप्त सुगंधित खाद्य उत्पाद प्राप्त होते हैं।उनका उपयोग भोजन के संरक्षण और दवाओं, रंगों एवं इत्र के रूप में किया जाता है।मसालों को हजारों वर्षों से व्यापार की वस्तुओं के रूप में अत्यधिक महत्त्व दिया गया है।

विशेष रूप से महामारी की अवधि के दौरान मसालों को स्वास्थ्य पूरक के रूप में मान्यता देने के कारण मसालों की मांग में जबरदस्त वृद्धि हुई है।

इसे हल्दी, अदरक, जीरा, मिर्च आदि जैसे मसालों के बढ़ते निर्यात से स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।भारत में मसालों के उपयोग का पता प्राचीन काल से लगाया जा सकता है, जिसके प्रमाण सिंधु घाटी सभ्यता से मिलते हैं।इन प्रारंभिक सभ्यताओं में भी मसालों का उपयोग पाक और औषधीय प्रयोजनों के लिए किया जाता था।सिल्क रोड सहित प्राचीन व्यापार मार्गों पर भारत की रणनीतिक स्थिति ने अन्य सभ्यताओं के साथ मसालों के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान की।

भारत की आर्थिक समृद्धि में योगदान देने वाले काली मिर्च, इलायची और दालचीनी जैसे मसालों की अत्यधिक मांग थी।मसाले सदियों से पारंपरिक भारतीय चिकित्सा, आयुर्वेद का अभिन्न अंग रहे हैं। माना जाता है कि कई मसालों में औषधीय गुण होते हैं और उनका उपयोग विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए किया जाता था।भारत मसालों का विश्व में सबसे बड़ा उत्पादक, उपभोक्ता और निर्यातक देश है।

बदलती जलवायु के कारण उष्णकटिबंधीय से उपोष्णकटिबंधीय, उपोष्णकटिबंधीय से समशीतोष्ण तक लगभग सभी जलवायु के मसालों का भारत में उत्पादन किया जाता है।वास्तव में भारत के लगभग सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में किसी-न-किसी मसाले का उत्पादन किया जाता है।

संसदीय अधिनियम के तहत कुल 52 मसालों को मसाला बोर्ड के दायरे में लाया गया है।

मसाला बोर्ड (वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय) भारतीय मसालों के विकास और विश्वव्यापी प्रचार हेतु प्रमुख संगठन है।

यह मसाला बोर्ड अधिनियम, 1986 द्वारा स्थापित किया गया था।भारत में कुछ राज्य ऐसे हैं जो उन मसालों का उत्पादन करते हैं जिनका राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में बहुत अधिक मूल्य है। सबसे अच्छा उदाहरण 'कश्मीरी केसर' है जो दुनिया का सबसे अच्छा केसर है।

कश्मीरी केसर को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग का दर्जा मिला है।यह सुखद आश्चर्य है कि भारत अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आईएसओ)

द्वारा सूचीबद्ध 109 मसाला की किस्मों में से लगभग 75 का उत्पादन करता है।सबसे अधिक उत्पादित और निर्यात किए जाने वाले मसाले काली मिर्च, इलायची, मिर्च, अदरक, हल्दी, धनिया, जीरा, अजवाइन, सौंफ, मेथी, लहसुन, जायफल और जावित्री करी पाउडर, मसाला तेल और ओलियोरेसिन हैं। इन मसालों में से मिर्च, जीरा, हल्दी, अदरक और धनिया कुल उत्पादन का लगभग 76 फीसदहिस्सा बनाते हैं।भारत में सबसे बड़े मसाला उत्पादक राज्य मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र, असम, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल हैं।आज, भारत अपनी विविध जलवायु और भूगोल के कारण विभिन्न प्रकार के मसालों के उत्पादन के लिए जाना जाता है। काली मिर्च, इलायची, दालचीनी, लौंग, हल्दी, जीरा और धनिया जैसे मसालों की खेती देश के विभिन्न क्षेत्रों में की जाती है।भारतीय मसालों ने न केवल देश की पाक परंपराओं को आकार दिया है बल्कि वैश्विक व्यंजनों पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव छोड़ा है। भारतीय मसालों का उपयोग अंतरराष्ट्रीय खाना पकाने में व्यापक है, जो पाक प्रथाओं के वैश्वीकरण में योगदान देता है।फेडरेशन ऑफ इंडियन स्पाइस स्टेकहोल्डर्स (एफआईएस) दो निजी कंपनियों(एम डी एच और एवरेस्ट) को निशाना बनाकर भारतीय मसालों की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के प्रयासों के खिलाफ सामने आया है। फेडरेशन के अध्यक्ष ने कहा कि हम उपभोक्ताओं और सभी संबंधित पक्षों को आश्वस्त करना चाहते हैं कि एथिलीन ऑक्साइड

यानी ईटीओ कोई कीटनाशक नहीं है। एथिलीन ऑक्साइड एक कीटाणुनाशक एजेंट है जिसका उपयोग खाद्य उत्पादों में सूक्ष्म जीव(माइक्रोबियल तत्वों), मसालों और साल्मोनेला, ई. कोलाई आदि जैसे घातक रोगजनकों को शामिल करने या कम करने के लिए किया जाता है।वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, प्रति वर्ष 3.67 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात के साथ वर्ष 2023/2024में भारत का मसाला निर्यात 4.25अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया जो वैश्विक मसाला निर्यात का 12फीसद है।भारतीय मसाले विश्व स्तर पर चर्चा का एक गर्म विषय बन गए हैं, जिनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च प्रतिष्ठा और लोकप्रियता है। भारतीय मसाले अपनी बेहतर गुणवत्ता, सुगंध, स्वाद और औषधीय महत्व के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊंचे दाम पर बिकते हैं। लेकिन एथिलीन ऑक्साइड (ईटीओ) और मसालों और मसाला उत्पादों पर इसके उपयोग के संबंध में अब कई रपटें हैं।एथिलीन ऑक्साइड के अत्यधिक उपयोग के आरोपों पर विशेषज्ञों द्वारा तर्कपूर्ण जवाब प्रस्तुत किए गए हैं।विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार, मसाला बोर्ड, मसाला संघों और नियामक निकायों को इस मुद्दे पर गलतफहमियों को दूर करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए और यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास करने चाहिए कि भारतीय मसालों का निर्यात और प्रतिष्ठा प्रभावित न हो। उनका कहना है कि एथिलीन ऑक्साइड का इस्तेमाल पिछले 45 सालों से मसालों को स्टरलाइज(निर्जर्मीकरण) करने के लिए किया जा रहा है। भारतीय निर्यातकों ने उन देशों के मानदंडों का सख्ती से पालन किया है। कुछ लोग और तथाकथित देश गलत जानकारी के साथ ऐसे मुद्दे फैलाकर एफएसएसआई और सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है यह मुद्दा इतना चर्चा में है कि इससे घरेलू बाजार में भी हमारे अपने मसालों के उत्पादन को लेकर डर पैदा हो गया है। विशेषज्ञ कहते हैं, ईटीओ का उपयोग गर्मी के प्रति संवेदनशील मेडिकल डिस्पोजल जैसे सीरिंज, कैथेटर आदि को स्टरलाइज करने के लिए भी किया जाता है। विश्व स्तर पर उपयोग किए जाने वाले लगभग 50 फीसद डिस्पोजेबल चिकित्सा उपकरणों को एथीलीन ऑक्साइड द्वारा निष्फल किया जाता है। इसे सबसे संवेदनशील रोगियों के मामले में भी उपयोग के लिए अनुमोदित किया गया है।एथीलीन ऑक्साइड एक रंगहीन गैस है, जिसका उपयोग कई रोजमर्रा के उत्पादों के निर्माण में किया जाता है। यह गैस इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरी बनाने, प्राकृतिक गैस और उसके डेरिवेटिव(व्युत्पन्न) को परिष्कृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसका उपयोग तेल और गैस कुओं के खनन (ड्रिलिंग) में भी किया जाता है। भाप और विकिरण द्वारा नसबंदी प्रक्रिया की तुलना में, एथीलीन ऑक्साइड (ईटीओ) द्वारा नसबंदी प्रक्रिया को संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, सिंगापुर और कई अन्य देशों में अनुमोदित किया गया है क्योंकि यह उत्पादन के लिए सुरक्षित है और रोगजनकों और जीवाणु संदूषण से मुक्त है।मसालों में एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा भिन्न भिन्न देशों में अलग अलग है।भारत सरकार के वित्त सचिव के अनुसार अमेरिकन स्पाइस ट्रेड एसोसिएशन (एएसटीए) ने ईटीओ पर प्रकाशित अपने श्वेत पत्र में कहा है कि अधिकांश मसाले विकासशील देशों में उगाए जाते हैं जहां स्वच्छता और खाद्य प्रबंधन प्रथाएं अमेरिका में अपेक्षित स्तर पर नहीं हैं। कच्चे मसालों में साल्मोनेला और ई. कोली सहित रोगजनक हो सकते हैं, जो गंभीर बीमारी का कारण बन सकते हैं।

एथिलीन ऑक्साइड (ईटीओ) इन तत्वों को हटाने के साथ-साथ बैक्टीरिया भार, यीस्ट और मोल्ड, कोलीफॉर्म और अन्य रोगजनकों को कम करने में अत्यधिक प्रभावी है, और इसका उपयोग मसालों को स्टरलाइज करने के लिए भी पहचाना जाता है।एथिलीन ऑक्साइड का मुद्दा भारतीय मसालों पर प्रतिबंध की वजह है। एथिलीन ऑक्साइड एक रसायन है जिसका उपयोग मसालों में कीटाणुरोधी पदार्थ के रूप में किया जाता है, परंतु एक निश्चित सीमा से अधिक उपयोग करने पर इसे कैंसरकारी माना जाता है।हालाँकि एथिलीन ऑक्साइड संदूषण को रोकने के प्रयास किये जा रहे है।

कविता

तेरे लिए

क्या फायदा ऐसी जिंदगी पर
मेरी मेहनत की कमाई से मैं
तेरे लिए ही कुछ न खरीद सकूँ।
क्या कायदा ऐसे प्यार पर
तेरी खुशी के खातिर मैं
अपने प्यार का न इजहार करूँ।

मेरी हर ख्वाईश को इशारों से समझा
इतना गैरत नही मैं कि
तेरी उदासी को नजरअंदाज करूँ।
जिन्दगी के सारे गम दूर हुए बस तेरे,
साथ निभाने से
ऐसे हसीन पल को क्यो न मैं याद करूँ।

अच्छी लगती है तेरी प्यार भरी तकरार
कभी तुम मुझसे बरबस ही रूठा करो
और मैं तुम्हे प्यार से मनाया करूँ।
आगोस में तेरे जिया हूँ सुकून भरे पल
मैं राही धूप का, तुम मेरी तरु बनी
इस चाहत को क्यों न आत्मसात करूँ।

नासमझ है वे लोग, तुम्हे कम आँकते है
अनमोल उपहार है तू मेरे लिए
ऐसे प्रियतम के लिए जीवन कुर्बान करूँ।
जिंदगी जिंदादिल है मेरी
साथ है तेरा हमसफर के लिए,
क्यों न मैं अपने भाग्य पर इतराया करू।

श्याम कुमार

विज्ञापन में करियर विकल्प

विजय गर्ग

व्यवसाय में विज्ञापन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आजकल मार्केटिंग पूरी तरह से विज्ञापनों पर निर्भर हो गई है। विज्ञापन ग्राहकों को कंपनी द्वारा पेश किए गए उत्पादों को खरीदने के लिए मनाने की कला है। यह जनसंचार की अवधारणाओं में से एक है। विज्ञापन क्षेत्र में करियर ग्लैमरस होने के साथ-साथ काफी प्रतिस्पर्धी भी है क्योंकि हर दिन अधिक से अधिक एजेंसियां खुल रही हैं। विज्ञापन के विभिन्न माध्यम हैं जैसे इंटरनेट, टीवी, रेडियो, पत्रिकाएँ, समाचार पत्र और होर्डिंग्स। यह मांग पैदा करने में एक प्रमुख भूमिका निभाता है; विपणन प्रणाली को बढ़ावा देना और आर्थिक विकास को बढ़ाना। विज्ञापन में नौकरी के अवसर और करियर की संभावनाएँ विज्ञापन जगत में अपना करियर बनाने के लिए कई विकल्प हैं। आपके कौशल के आधार पर इस उद्योग में स्टार्टअप के लिए आपके पास कई विकल्प हैं। नौकरी पेशा को मुख्यतः दो प्रकारों में वर्गीकृत किया गया हैः रचनात्मक नौकरियाँः रचनात्मक नौकरियों में विभिन्न पेशे शामिल होते हैं। ये ऐसे काम हैं जो पूरी तरह से रचनात्मकता पर निर्भर हैं। कॉपीराइटरः कॉपीराइटर की मुख्य भूमिका विज्ञापन लिखना और विज्ञापनों के विजुअलाइजेशन के लिए रचनात्मक नारे, शब्द और ऑडियो स्क्रिप्ट बनाना है। एक विज्ञापन कॉपीराइटर को अत्यधिक रचनात्मक और कल्पनाशील होना चाहिए। अच्छे लेखन कौशल की भी आवश्यकता है। इसके अलावा, सभी विज्ञापन तकनीकों में गहरी रुचि रखें। कॉपीराइटर का काम अलग-अलग क्लाइंट के हिसाब से अलग-अलग होता है, क्लाइंट की मांग के अनुसार उन्हें उस विषय पर काम करना होता है। कॉपीराइटर बनने के लिए आपको संचार, अंग्रेजी या पत्रकारिता में स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होगी। भारत में एक कॉपीराइटर का औसत वार्षिक वेतन लगभग 2,98,315 रुपये है। ग्राफि क डिजाइनरः ग्राफि क डिजाइनर का मुख्य उद्देश्य विज्ञापनों के लिए डिजाइन तैयार करना है। डिजाइन इस तरह से है कि यह क्लाइंट के संदेश को उच्च दृश्य प्रभाव के साथ दर्शकों तक पहुंचाता है। आजकल अधिकांश डिजाइनिंग कार्य विभिन्न ग्राफि क डिजाइनिंग प्रोग्रामों की सहायता से कंप्यूटर पर किया जाता है। एक ग्राफिक डिजाइनर में मजबूत कंप्यूटर स्किल के साथ-साथ मजबूत विजुअल सेंस भी होना चाहिए। इसके अलावा, ग्राफिक्स और टाइपोग्राफी में रुचि आवश्यक है। ग्राफिक डिजाइनरों को क्वार्क एक्सप्रेस, फ्रीहैंड, इलस्ट्रेटर, फोटोशॉप, 3डी स्टूडियो मैक्स, एक्रोबैट, डायरेक्टर, ड्रीमवीवर और फ्लैश जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का उपयोग करने में सक्षम होना चाहिए। एक पेशेवर ग्राफिक डिजाइनर बनने के लिए ललित कला, ग्राफिक कला या अन्य दृश्य कला से संबंधित विषयों में स्नातक की डिग्री आवश्यक है। भारत में ग्राफिक डिजाइनर का औसत वार्षिक वेतन लगभग 6,00,000 रुपये है।

विचार

क्रोध, युद्ध केवल उन्माद और लोलुपता का परिणाम

संजीव

युद्ध और हिंसा क्रोध से शुरू होकर पश्चाताप और दुखों के चिंतन में खत्म होता है। मौजूदा रूप से इसराइल हमास युद्ध में हजारों लोगों की जानें चली गई और 30 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनी लोग बेघर हो गए, ईरानी राष्ट्रपति रईस की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत भी इसराइल की प्रति हिंसा का परिणाम माना जा रहा है विस्तृत जांच होना शेष है।युद्ध अभी तक थमा नहीं है युद्ध की चिंगारी एक दूसरे आक्रमण करने से भड़कती जा रही है न जाने इसका अंजाम क्या होगा। इसी तरह रूस और यूक्रेन युद्ध कि इतने दिनो से ज्यादा के युद्ध की परिणति में शिवाय पश्चाताप के कुछ नहीं है' रूस अपने सनकी राष्ट्रपति पुतिन की जिद की बलि चढ़ गया है। वह यूक्रेन से जीत कर भी मानसिक और वैचारिक रूप से हार गया है' रूस अपने को जितना बलशाली, शक्तिशाली समझता था अब उसकी पोल खुल गई है, 1 वर्ष से ज्यादा समय से युद्ध में रूस यूक्रेन जैसे छोटे देश को जीत नहीं पाया है' यूक्रेन भी अपनी राष्ट्रपति की हठधर्मिता के कारण पूर्ण रूप से बर्बाद हो चुका है. यूक्रेन के 1करोड़40लाख नागरिक देश छोड़कर शरणार्थी बन चुके हैं। 40 हजार इमारतें बर्बाद हुई 20 लाख बच्चे घरों से दूर होकर शिक्षा से वंचित हो गए। ईसी तरह यूक्रेन तथा रूस के लगभग 50 हजार सैनिक युद्ध में मारे गए है।यह युद्ध की विभीषिका कहां तक जाएगी इसका आकलन करना तो कठिन है पर इसके परिणाम अत्यंत अमानवीय,कारुणिक और आर्थिक नुकसान देने वाले साबित हुए हैं। रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन के तथाकथित दोस्तों अमेरिका तथा नैटो देशों ने सक्रियता से मैदान में साथ नहीं दिया, केवल दूर से यूक्रेन को शाबाशी देते रहे यूक्रेन अब संपूर्ण बबार्दी के कगार पर है। रूस का उसके अपने ही राष्ट्र में युद्ध के खिलाफ विरोध के स्वर उभर रहे हैं। नोबेल पुरस्कार प्राप्त पत्रकार ने अपने पूर्व में प्राप्त नोबेल पुरस्कार मेडल को बेचने का ऐलान किया है एवं यूक्रेन में मरने वाले हजारों बच्चों के हित में वह धनराशि रेड क्रॉस को प्रदान करेगा। पत्रकार ने कहा कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण का रूस की जनता अंदरूनी तौर पर विरोध करती है एवं भारी असंतोष भी है' मैं आपको रूस यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि का इतिहास बताता हूं। यूक्रेन एक छोटा सा राज्य है, उसकी सैन्य शक्ति भी इतनी क्षमतावान नहीं है कि रूस या अन्य शक्तिशाली देश का सैन्य मुकाबला कर सके,पर अमेरिका, ब्रिटेन और नाटो के 30 देशों के बहकावे में आकर उसने रूस को नाराज करना शुरू कर दिया था। यूक्रेन को यकीन था कि रूस के आक्रमण के समय अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, इजरायल और नाटो के कई देश उसकी रक्षा करेंगे, पर ताकतवर,शक्तिमान रूस के हमले के सामने ना तो अमेरिका ने अपना सैन्य आक्रमण किया ना ब्रिटेन ने अपनी सेना ही भेजी और ना ही अन्य नाटो देश में रूस के खिलाफ किसी तरह की जंग ही की है ,केवल दूर से बैठकर समझौते करने की बात करते रहे और रूस के आक्रमण की निंदा ही की है। यह आलेख लिखते तक रूस ने कीव पर कब्जा भी कर लिया होगा और उसके समस्त एयर बेस सैनिक अड्डों को नष्ट कर दिया है। यूक्रेन का एयर डिफेंस पूरी तरह चरमरा गया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने बताया कि रूस ने सभी सैनिक हवाई अड्डों पर रॉकेट लॉन्चर दाग कर उन्हें पूरी तरह नष्ट कर दिया है, यूक्रेन के लगभग 40 सैनिकों को मार भी गिराया है, इसमें 10 निर्दोष नागरिक भी मारे गए हैं। रूस ने दावा किया था कि वह नागरिक ठिकानों पर बमबारी नहीं करेंगा पर मिसाइल तथा गोलियां सैनिकों तथा नागरिकों को अलग-अलग नहीं पहचानती है, और यही वजह है कि सैनिकों के साथ नागरिक भी मारे गए। वर्ष 1914 में यूक्रेन से रूस ने क्रीमिया को अलग कर अपने अधिपत्य में ले लिया था। रूस का कहना है कि अमेरिका ब्रिटेन और नाटो देश यूक्रेन को एक न्यू क्लियर सामरिक अड्डा रूस के खिलाफ बनाने की तैयारी कर चुके हैं, और इन सभी देशों के साथ यूक्रेन भी रूस की प्रतिरक्षा प्रणाली को बहुत बड़ा खतरा बन गया है। यूक्रेन पर अमेरिकी प्रशासन का पूरा पूरा नियंत्रण है, यूक्रेन प्रशासन केवल कठपुतली मात्र है। इसे संचालित करने वाला अमेरिका तथा ब्रिटेन ही है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक रवि भारद्वाज, दैनिक एक्शन इंडिया कार्यालय, 7/1, बल्लूपुर रोड, डॉ टीपी पटनायक के सामने, कृष्ण नगर चौक के पास, देहरादून, उत्तराखण्ड ने मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, शक्ति कॉम्प्लेक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110042 से छपवाकर प्रकाशित किया। "एक्शन इंडिया" में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक केवल पीआरबी एक्ट के तहत ही उत्तरदायी। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी
समूह संपादक : रवि भारद्वाज (9999889104)
स्थानीय संपादक : हिमांशु अनिकेत (9837313943)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

व्यंग्य

शहर में झूठ का पता

डॉ. सुरेश

आए दिन हर कोई घर-जमीन गांव सब छोड़-छाड़ कर या बेच-बांचकर शहर की ओर कदम बढ़ाता है। पता नहीं शहर में ऐसा कौन सा चुंबक होता है जो लोहे के बदले इंसान को अपनी ओर खींचता है। शहर की चमचमाती सड़कों को देख चमचमाने का कीड़ा बड़ा उछल-कूद करता है। छोटे-छोटे गांवों में शहरी लालच की बड़ी अट्टालिका का निर्माण बिना ईट, सीमेंट, रेत और पानी के हो जाता है। वह क्या है न कि सच्चाई का डाकिया शहर में झूठ का पता कभी नहीं ढूँढ़ सकता। फिर एक दिन इसके-उसके मुँह हमें एक ही बात सुनने को मिलती है- डाकिया ही चल बसा शहर ढूँढ़ते-ढूँढ़ते। सच कहें तो शहर कुछ लोगों को शह देता है तो कुछ लोगों को हर लेता है। हमारे गांव में फलां पिछड़ा बाबू रहा करते थे। आजकल शहर में विकास बाबू बनकर हमारे बीच धाक जमा रहे हैं। उन्हीं का नाम ले लेकर गांव में कइयों का जीना हराम हो गया है। मैंने निर्णय किया कि विकास बाबू के यहां जाकर दो-चार दिन ठहरूँगा और अपनी योग्य कोई नौकरी तलाश करूँगा। किंतु जैसे ही मैं शहर पहुंचा वहां विकास बाबू को देखकर मेरे पैरों तले जमीन खिसक गई। गांव में खुद को सॉफ्टवेयर कंपनी का कर्मचारी बताने वाले विकास बाबू के कर्म और आचार में बड़ा अंतर दिखाई दिया। वे सॉफ्टवेयर कंपनी में नहीं किसी अपार्टमेंट के वॉचमैन की नौकरी करते थे। पूछने पर बताया कि गांव में खुद की जमीन जायदाद होने के बावजूद वह सम्मान नहीं मिल पा रहा था जो सम्मान शहर में आकर झूठ बोलकर मिल रहा है। आज मेरी झूठमूठ की सॉफ्टवेयर की नौकरी से सचमुच की खूबसूरत अप्सरा जैसी पत्नी, लाखों का दहेज, चार चक्का गाड़ी और ऊपर से इज्जत अलग मिल रही है। मैंने पूछा कि क्या तुम्हें झूठ के पदार्फाश होने का डर नहीं है? इस पर उन्होंने किसी दार्शनिक की तरह जवाब दिया - कैसा झूठ?

कहां का झूठ? यहाँ हर कोई झूठ में जी रहा है। गांव की सच्चाई छोड़ लोग शहर के झूठ की ओर दौड़ रहे हैं। शहर में रहने वाले अपनी सच्चाई छोड़कर महानगरों की झूठी चकाचौंध के पीछे-पीछे दौड़े जा रहे हैं। महानगर में रहने वाले अमेरिका, इंग्लैंड की झूठी दुनिया में जाना चाहते हैं।

लोकसभा चुनाव में मुद्दों की बजाय आरोप प्रत्यारोप पर जोर

राजेश माहेश्वरी

लोकसभा चुनाव की लहर पूरे देश में चल रही है। पांच चरणों का मतदान भी हो चुका है। लेकिन अभी तक कोई ऐसा मुद्दा सामने नहीं आया, जिसे लेकर ये चुनाव लड़ा जा रहा हो। राजनीतिक दल और नेता एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप, विवादित बयान देकर चुनावी रैलियों और सभाओं में तालियां पिटवा रहे हैं। राजनीतिक दलों के चुनावी वादों और गारंटी से भरे भाषण आकाशवाणी, टीवी चैनल के माध्यम से जनमानस के मन को लुभाने की कोशिशों में जुटे हैं। लेकिन इनमें ये गारंटी व वादे किस तरीके से पूरे किए जायेंगे, बेरोजगारी, महंगाई कैसे काबू में होगी इसका खुलासा कोई भी पार्टी नहीं कर रही है। आज गरीब पहले से भी ज्यादा गरीब हो रहा है उसे अमीर के समकक्ष कैसे लाया जाएगा। इसका जिक्र कहीं नहीं है, सिर्फ सीटों की संख्या कितनी जीतना होगी ये बता कर जरूरी मुद्दों से भटकाने की कोशिश है। चुनाव आते ही सभी राजनीतिक दल लुभावने वादों से जनता को रिझाने में लगे हैं मगर जिन मुद्दों को चुनाव विमर्श में आना चाहिए वे गायब हैं। सबसे पहला मुद्दा शिक्षा का होना चाहिए। राजनीतिक दलों को चाहिए कि वह नागरिक स्वास्थ्य का भी मुद्दा बनाएं। आज भी स्वच्छ पेयजल हर जगह उपलब्ध नहीं है। कृषि क्षेत्र जल संकट से जूझ रहा है। पर्यावरण सुरक्षा की भी बात होनी चाहिए। बढ़ते प्रदूषण पर कोई भी राजनीतिक दल बात नहीं करता। सबसे अहम मुद्दा बेरोजगारी का तो है ही। मतदाताओं को भी चाहिए कि उचित मुद्दों पर बात करने वाले दलों को ही अपना वोट दें। आजादी के बाद देश में हुए पहले चुनाव में से लेकर ताजा आम चुनाव तक चुनाव आते ही राजनीतिक दल जनसाधारण का ध्यान वास्तविक मुद्दों से भटकाने के लिए ऐसे-ऐसे मुद्दे लाते हैं जो मतदाताओं को भ्रमित करते हैं। देश के आम चुनाव में चुनावी मुद्दे जनसाधारण की समस्याएं होनी चाहिए, जो उनके दैनिक जीवन को प्रभावित करते हैं। आज के मेधावी युवा देश से विदेश में पलायन कर रहे हैं। मुद्दा यह होना चाहिए कि उनका पलायन रोका जाए। उन्हें रोजगार दिया जाए। देश का आर्थिक विकास के साथ आम आदमी की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हो।

समालखा में जनसंपर्क यात्रा के दौरान कांग्रेस पर बरसें मनोहर लाल

टीम एक्शन इंडिया
समालखा (कुलदीप सिंह)
पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा प्रत्याशी मनोहर लाल ने मंगलवार को समालखा में अपने जन सम्पर्क यात्रा की शुरूआत जाट बाहुल्य गांव मनाना से की और करीब 15 गांव में वोटों की अलख जगाते हुए दोपहर एक बजे समालखा के कुहाड़ पाना में यात्रा का समापन किया। जनसंपर्क यात्रा के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गांव वासियों को मोदी की राम राम देते हुए कहा कि पीएम मोदी ने आपके भाई मनोहर लाल को करनाल लोकसभा से प्रत्याशी बना कर भेजा है। इसलिए आने वाली 25 तारीख को कमल के फूल वाला बटन इतना दबा देना कि जब वोटिंग मशीन खुले तो कमल का फूल,कमल का फूल इतना कमल का फूल निकले की गिनती करने वाले भी हैरान हो जायें। मनोहर लाल ने कहा कि लोकसभा चुनाव के पांच चरण हो चुके हैं और छुट्टा चरण 25 मई को है।अभी तक के आ रहे चुनावी सर्वे में हम 272 पर तो पहुंच चुके हैं और अभी 400 पार का आंकड़ा छूना है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जनसंपर्क यात्रा के दौरान अपने काम कम और पीएम मोदी के कामो को ज्यादा गिनवाया। धारा 370, राम मंदिर व तीन तलाक जैसे मुद्दों को उठाते हुए उन्होंने जहां कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा, वहीं मोदी को तीसरी बार पीएम बनाने के लिए वोट मांगे। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि कांग्रेस ये काम चार जन्मों तक नहीं कर सकती थी क्योंकि कांग्रेसी डरते थे कि धारा 370 को हाथ लगाया तो देश में खून की नदियां बह जायेंगी, लेकिन पीएम मोदी ने हिम्मत से काम लिया और एक झटके में इसे हटा दिया ओर खून का एक कतरा भी नहीं बहा। उन्होंने कहा कि भारत को पहली बार मोदी के रूप में ऐसा दृढ़ निश्चयी प्रधानमंत्री मिला है। पूर्व सीएम मनोहर लाल ने गांव वासियों से कहा कि उन्होंने भी हरियाणा सरकार के माध्यम से आपकी सेवा की है और इस दौरान कई बदलाव किए। आज बिना पर्ची और बिना खर्ची के नौकरियां दी जा रही है जबकि कांग्रेस के राज में एक नौकरी लगवाने के लिए नेताओं की जी हुजूरी करनी पड़ती थी। पहली बार किसान की 14 फसलों को एमएसपी पर खरीदा और खरीदी गई फसलों की पेमेंट 72 घंटे में सीधे किसान के खाते में भेजी जा रही है जबकि पहले किसान को आढ़तियों के चक्कर काटने पड़ते थे।

सनातन से ही देश एवं संस्कारों की मजबूतीः महंत राजेंद्र पुरी

टीम एक्शन इंडिया
दलबीर मलिक
कुरुक्षेत्र : जग ज्योति दरबार के महंत राजेंद्र पुरी ने कहा कि मानवीय शरीर परमात्मा द्वारा दी गई अनमोल कृति एवं अनुपम उपहार है। उन्होंने कहा कि मानव तब तक मानव नहीं है, जब तक उसमें मानवता का वास नहीं होता है। इस अवसर पर महंत राजेंद्र पुरी के साथ अन्य संत महापुरुष भी मौजूद रहे। महंत राजेंद्र पुरी ने कहा कि सनातन से ही देश, राष्ट्रीयता एवं संस्कारों की मजबूती मिलती है। सनातन कभी तोड़ने की नहीं बल्कि आपसी प्रेम एवं एकता की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि हर मानव को मानवीय मूल्यों से अपने को अलंकृत करते हुए अपना जीवन जीना चाहिए। यही सही अर्थ में परमपिता परमेश्वर की सच्ची आराधना है। महंत राजेंद्र पुरी ने कहा कि जल और भोजन की तरह ही मानव में राष्ट्र के लिए संस्कार और संस्कृति की भावना जरूरी है। 16 संस्कारों पर आधारित वैदिक सनातन संस्कृति में मानव की रुचि होना आवश्यक है।

न्यूज फ्लैश

धारा 144 के तहत पूरे जिला में आदेश जारी

टीम एक्शन इंडिया
पानीपत/कमाल हुसैन
जिलाधीश डॉ. वीरेन्द्र कुमार दहिया ने मतदान और मतगणना केन्द्रों पर कानून व्यवस्था को सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के दृष्टिगत दण्ड प्रक्रिया नियमावली 1973 की धारा 144 के तहत पूरे जिला में आदेश जारी किए हैं। आदेशानुसार राजनीतिक दलों/उम्मीदवारों द्वारा मतदान केंद्र से 200 मीटर की दूरी के भीतर कोई बूथ स्थापित नहीं किया जाएगा। यहां तक कि जहां एक ही मतदान केंद्र परिसर में एक से अधिक मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं, ऐसे परिसर से 200 मीटर की दूरी से परे मतदान केंद्रों के ऐसे समूह के लिए एक उम्मीदवार का केवल एक बूथ होगा। ऐसे प्रत्येक बूथ पर केवल एक मेज और दो कुर्सियाँ प्रदान की जाएंगी, साथ ही बूथ पर उन कुर्सियों पर बैठे दो लोगों को मौसम की स्थिति से बचाने के लिए एक छाता या तिरपाल या कपड़े का एक टुकड़ा उपलब्ध कराया जाएगा। ऐसा बूथ कनाट्स या टेंटेज आदि से घिरा नहीं होगा। ऐसे बूथ स्थापित करने के इच्छुक प्रत्येक उम्मीदवार को पहले से ही रिटेनिंग अधिकारी को नाम और क्रम संख्या के बारे में लिखित रूप से सूचित करना होगा। उन मतदान केन्द्रों की जहां उसके द्वारा ऐसे बूथ स्थापित करने का प्रस्ताव है। उसे संबंधित सरकारी प्राधिकारियों या स्थानीय प्राधिकारियों जैसे निगम, नगर पालिकाओं, जिला परिषद, नगर क्षेत्र समितियों, पंचायत समितियों, ग्राम पंचायत आदि की पूर्व लिखित अनुमति भी प्राप्त करनी होगी। ऐसे बूथ स्थापित करने से पहले स्थानीय कानूनों के तहत लिखित अनुमति होनी चाहिए। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे और चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक जारी रहेगा।

खरखौदा में महिला को सम्मोहन कर छीन ले गए सोने के आभूषण

खरखौदा/सोनीपत/सोमपाल सैनी
खरखौदा थाना को गाँव बरोणा की महिला संतोष ने शिकायत देते हुए बताया कि शाम करीब साढ़े 6 बजे गाँव के ही मंदिर घूमने के लिए आई थी। इसी दौरान जब वह महिला जाट मेहर सिहं की समाधी के पास पहुँची तो एक लाल रंग की कार आई। जिसके अंदर 2 आदमी और 1 औरत सवार थी। जो गाडी से नीचे उतरकर मेरे से बातचीत करने लगे और बातो ही बातो में मुझे सम्मोहन कर लिया। फिर तीनो ने सम्मोहन करके मेरे दोनो हाथो के सोने के कडे करीब दो तोला व एक सोने की अंगुठी ले ली। और मुझे एक कपडे में लपेटकर कागज के टुकडे जिसमें एक पांच सौ का नोट दे गए जिसको मैने बाद में चेक किया, तो इसके अंदर कागज के टुकडे और एक पाँच सो का नोट और एक स्टील का कडा निकला। फिलहाल उपरोक्त महिला की शिकायत पर खरखौदा पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जाँच शुरू कर दी है।

फैक्टरी से सिलिकॉन की पेटी चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

सोनीपत: कुंडली थाना क्षेत्र स्थित फैक्टरी से के स्टोर से सिलिकॉन की पेटी चोरी होने का मामला सामने आया है। फैक्टरी के मैनेजर ने मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। चोरी की वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। पुलिस ने इस संबंध में जांच शुरू कर दी है।
कल्याणपुर बिहार हाल में सिटी बारोटा निवासी संजय कुमार ने बताया कि वह कंपनी में बतौर मैनेजर के पद पर कार्यरत है। गत 15 मई को सुबह स्टोर का शीशा टूटा हुआ मिला। इस बारे में कोई ध्यान नहीं दिया गया। गत 20 मई को सुबह स्टोर से सिलिकॉन की पेटी गायब मिली। अपने स्तर पर फैक्टरी में सामान की तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। उसने फैक्टरी में लगे सीसीटीवी की जांच की तो उसने 17 व 18 की रात को कुछ लड़के फैक्टरी से सिलिकॉन की पेटी चोरी करते हुए पाए गए। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच अधिकारी एसआई अशोक कुमार ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

समाजसेवकों ने बहालगढ़ रोड पर पड़े पत्थर व पेड़ के डाहले को हटाया

टीम एक्शन इंडिया
सोनीपतः दिलबाग सिंह हिंदी प्रवक्ता सोनीपत से फरीदाबाद प्रतिदिन स्कूल जाते हैं बहालगढ़ रोड पर जाट जोशी कट व हुंडई के समीप कट पर भारी पत्थर डिवाइडर से 3 फीट सड़क की तरफ पड़े थे। तो प्रवक्ता के मन में उनको हटाने का विचार आया ' स्कूल से आने के बाद समाजसेवी रंधावा मान से बात हुई उन्होंने अपने वरिष्ठ नागरिकों के साथ मिलकर पत्थरों को हटाने व डाहले को काटने का विचार बनाया ' शाम को जाकर राहगीरों की मदद से पत्थरों को हटाया गया व डा हले को काटा गया ' समाज सेवी हवा सिंह पहलवान ने बताया कि अगर ये पत्थर हटाए नहीं गए होते तो बड़ा हादसा हो सकता था ' हम सभी का कर्त्तव्य हैं कि इस प्रकार की समस्या को दूर करना चाहिए ' इस अवसर पर इंद्र सिंह दहिया, सेवानिवृत्ति मुख्य अध्यापक संसार सिंह मलिक ,जसवीर सिंह राणा व राहगीर आदि उपस्थित रहे।

हुड्डा बाप-बेटे के भ्रष्टाचार का हिसाब जनता करेगीः नड्डा

टीम एक्शन इंडिया
सोनीपतः भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंगलावार को सोनीपत के जींद विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी मोहन लाल बडौली के समर्थन में रोड शो किया। रोड शो में मोहन लाल बडौली भी जेपी नड्डा के साथ जनता से हाथ जोडकर वोट देने के अपील की। आयोजित रोड शो में जींद के विधायक कृष्ण लाल मिड्ढा और भारतीय जनता पार्टी के सभी स्थानीय नेता, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे। छठवें चरण के तहत 25 मई को होने वाले चुनाव के लिए गुरुवार शाम छह बजे से चुनाव प्रचार थम जाएगा। इससे पहले सभी प्रत्याशियों ने चुनाव में हैट्रिक लगाने के लिए पूरा जोर लगा दिया है। भाजपा प्रत्याशी मोहन लाल बडौली के समर्थन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर भाजपा के कई

अन्य बड़े नेताओं का कार्यक्रम सोनीपत में हो चुका है। इसी क्रम में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जींद विधानसभा में रोड शो के जरिए मोहन लाल बडौली के लिए वोट मांगा। रोड शो के दौरान जेपी नड्डा ने कहा की रोड शो में इतनी भारी संख्या में मिल रहा जन समर्थन इस बात की गवाही दे रही है कि, इस बार संसद में सोनीपत लोकसभा क्षेत्र का नेतृत्व मोहनलाल बडौली करने वाले हैं। साथ ही पीएम मोदी के 400 पार संकल्प को पूरा करने के लिए सोनीपत की जनता पूरी तरह से तैयार हो चुकी है। रोड शो में शामिल होने से पहले जेपी नड्डा और मोहन बडौली ने हाथ जोड़कर जनता का अभिवादन किया। कार्यकताओं ने जय श्रीराम और जेपी नड्डा-मोहन लाल बडौली जिंदाबाद के नारों से उनका स्वागत किया। इस रोड शो के चलते सुरक्षा व्यवस्था का भारी इंतजाम किया गया था।
जेपी नड्डा का रोड शो पुराना बस स्टैंड से शुरू होकर रानी तालाब होते हुए गोहाना रोड पहुंचकर समाप्त हुआ। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा पर तंज कसते हुए कहा की हुड्डा साहब ने अपने बेटे के विकास के लिए पूरे हरियाणा के विकास को गर्त में डाल दिया था। भूपेंद्र हुड् के गढ़ में एक किलो मीटर से अधिक लंबे रोड शो में मोदी-मोदी के नारे ने कांग्रेस की टेंशन बढ़ा दी है। नड्डा ने कहा की बाप-बेटे के भ्रष्टाचार का हिसाब सोनीपत की जनता 25 मई को करने वाली है। कांग्रेस के भ्रष्टाचार का अंत हरियाणा से ही नहीं पूरे देश से होने वाला है।

भाजपा ने हर वर्ग के विकास किया, प्रदेश से भ्रष्टाचार खत्म हुआ : मनोहर

पानीपत , कमाल हुसैन
जमीन पर लगभग 45 डिग्री तापमान के बावजूद हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और करनाल लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार मनोहर लाल ने मंगलवार को पानीपत के कई गांवों में रोड शो निकालकर चुनाव प्रचार अभियान चलाया और भाजपा के पक्ष में मतदान करने अपील की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भाजपा ने हर वर्ग के विकास का काम किया है। अब युवाओं को बिना खर्ची, बिना पर्ची के नौकरी दी रही हैं। प्रदेश में भ्रष्टाचार खत्म हुआ है। मैं आप लोगों से अपील करता हूं कि 25 मई को भाजपा को बड़े मार्जन से जिताने

का काम करें और अबकि बार 400 पार के लक्ष्य को पूरा करने में सहयोग दें। मैं सबको मोदी की ह्यराम रामह्ल देने आया हूं, मनोहर की राम राम देने आया हूं। मोदी जी के नेतृत्व में भारत का नाम दुनिया में चमक रहा। उनके हाथों को और मजबूत करें। देश में नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। देश के विकास के लिए मोदी 400 से अधिक सीटें देकर देश की सबसे बड़ी पंचायत में भेजें। इससे पहले हर गांव में मनोहर लाल का फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। उन्हें पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। मनोहर लाल ने गांव में पहुंचते ही सबसे पहले लोगों को ह्यमोदी की राम रामह्ल दी। भीषण गर्मी के बीच लोग मनोहर लाल के रोड शो में शामिल हुए। रोड शो में सैकड़ों की संख्या में कार्यकताओं ने भाग लिया। उन्हानें कहा कि 25 मई को अपने भाई मनोहर लाल को भारी मतों से जिताकर दिल्ली भेजें और एक मजबूत सरकार बनाने में योग दान दें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत लगातार तरक्की कर रहा है। उनके नेतृत्व में कश्मीर से धारा 370 हटी, भ्रष्टाचार खत्म हुआ, अयोध्या में राम मंदिर बना और दुनिया में भारत का नाम चमका है। इस बार हम पाक अधिकृत कश्मीर यानी पीओके को भी लेकर रहेंगे। इसलिए आप सभी से अपील है कि आप 25 मई को भाजपा के पक्ष में मतदान करें और आदरणीय मोदी को और मजबूत बनाए। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष दुष्यंत भट्ट, रफाकत हसन, मेहरबान, शशिकांत कौशिक, बिट्टू रावल, रिषिपाल, विनोद छौक्कर, कृष्ण छौक्कर, कुलदीप जांगड़ा, मनजीत डीकाटला, बिजेन्द्र आटा सहित अन्य मौजूद रहे।
कांग्रेस पर साधा निशाना
मनोहर लाल ने पूर्व की कांग्रेस सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस समय में प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर था। सिफारिश पर नौकरियां मिलती थी। स्वास्थ्य और शिक्षा दीवाला पिटा हुआ था।

सर्व कर्मचारी संघ की हुई बैठक

समालखा (कुलदीप सिंह)
ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर यूनियन संबंधित सर्व कर्मचारी संघ की बैठक समालखा के बिजली कार्यालय में हुई बैठक में मुख्य रूप से यूनियन के चेयरमैन देवेंद्र हुड्डा व राज्य महासचिव नरेश कुमार मुख्य रूप से पहुंचे और बिजली कर्मचारियों की विभिन्न मांगों पर चर्चा की बैठक को संबोधित करते हुए राज्य चेयरमैन देवेंद्र हुड्डा ने कहा कि बिजली कर्मचारी पिछले काफी समय से अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं लेकिन सरकार कर्मचारियों के अधिकार देने की बजाय लगातार वायदा से मुकर रही है उन्होंने कहा कि बिजली कर्मचारी रेगुलेशन की पॉलिसी लागू करने, पुरानी पेंशन बहाल करने, निजीकरण पर रोक लगाने ,ठेका प्रथा खत्म करने एक्स ग्रेशिया में लगाई गई शर्तों हटाने आदि मांगों को लेकर संघर्षरत हैं लेकिन सरकार उनकी मांगों की कोई सुनवाई नहीं कर रही है उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि बिजली कर्मचारियों की सभी मांगों को जल्द पूरा किया जाना चाहिए उन्होंने सरकार व निगम मैनेजमेंट को आगआह करते हुए कहा कि अभी भी समय है कर्मचारियों की मांगों को जल्द पूरा किया जाए नहीं तो कर्मचारी 23 तारीख को वार्ता समिति की बैठक रोहतक सर्व कर्मचारी संघ भवन में करके निर्णायक फैसला लेने पर मजबूर होंगे इस मौके पर महासचिव नरेश ने कहा कि कर्मचारियों द्वारा तन मन धन से खड़े किए गए विभाग को सरकार नीजी हाथों में सौपना चाहती है।

अंधेरी जिंदगी को रोशनी देंगी रानी ढींगड़ा इन्सां की आंखें

पानीपत.. कमाल हुसैन
हरियाणा के पानीपत के कच्चा कैंप हरि बाग कालोनी निवासी 56 वर्षीय बहन रानी ढींगड़ा इन्सां आज भले ही दुनियां में न हों, परंतु उनकी आँखें दुनिया को देखती रहेंगी। डेरा सच्चा सौदा की ब्लाक कमेटी सदस्य ईश कुमार इन्सां ने बताया कि बहन रानी ढींगड़ा इन्सां मंगलवार को अपनी स्वांसों रूपी पूंजी पूर्ण कर कुल मालिक के चरणों में सचखंड जा विराजी। उन्होंने जीते जी ही संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंह इन्सां की प्रेरणा पर चलते हुए नेत्रदान का

संकल्प लिया हुआ था।बहन के पति रमेश ढींगड़ा इन्सां (हरियाणा प्रदेश 85 मेमबर कमेटी सदस्य) ने रानी ढींगड़ा इन्सां की अंतिम इच्छा को पूरी करते हुए उनके नेत्रदान करने का निर्णय लिया। सामान्य अस्पताल से डॉ केतन भारद्वाज, डां सुरेंद्र शर्मा व जन सेवा दल की टीम उनके घर पहुंची तथा बहन रानी की आँखें सुरक्षित रख कर रोहतक पीजीआई भेजी।
जिनका उपयोग किसी नेत्रहीन को दृष्टि देने में किया जाएगा। इस मौके पर रानी ढींगड़ा के पति रमेश ढींगड़ा इन्सां,पुत्र आकाश इन्सां,राजू इन्सां के परिवार के सदस्य व पानीपत की साध संगत के साथ जन सेवा दल की टीम मौजूद रही।

शहजादपुर कन्या विद्यालय में पुलिस ने किया जागरूक

टीम एक्शन इंडिया
मनीष कुमार
अम्बालाः पुलिस अधीक्षक अम्बाला जशनदीप सिहँ के निदेर्शानुसार अम्बाला पुलिस द्वारा हरियाणा उदय सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रम के माध्यम से महिला प्रबन्धक थाना नारायणगढ के नेतृत्व में उनकी टीम ने राजकीय कन्या वरिष्ट माध्यमिक विद्यालय शहजादपुर में पुलिस की पाठशाला के माध्यम से छात्र/ छात्राओं/ महिलाओं/शिक्षको को महिला सुरक्षा, महिला विरूद्ध अपराधों की रोकथाम, आत्म सुरक्षा,

साईबर अपराध से बचाव व यातायात के नियमों की पालना बारे जागरूक किया। इस कार्यक्रम में महिला प्रबन्धक थाना नारायणगढ के नेतृत्व में उनकी टीम ने महिला सुरक्षा/ साईबर अपराध बारे जानकारी दी व डायल 112 एप्प बारे छात्र/ छात्राओं महिलाओं/ शिक्षको को विस्तृत जानकारी देकर मौका पर ही डायल 112 एप्प डाउनलोड करवा कर रजिस्ट्रेशन करवाया। पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्र/ छात्राओं/ महिलाओं/ शिक्षको को महिला सुरक्षा, महिला विरूद्ध अपराधों की रोकथाम, आत्म सुरक्षा, साईबर अपराध से बचने, अपने व दूसरों के अमूल्य जीवन की सुरक्षा के लिए यातायात के नियमों की पालना करने बारे जागरूक किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अम्बाला ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हुए हैं कि वह हरियाणा उदय कार्यक्रम पुलिस की पाठशाला के माध्यम से छात्र/छात्राओं/महिलाओं /शिक्षको को डायल 112 एप्प, ट्रिप मॉनिटरिंग सर्विस व यातायात के नियमों की जानकारी देकर उन्हें जागरूक करें।

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में करियर गाइडेंस पर लगी कार्यशाला

टीम एक्शन इंडिया
समालखा (कुलदीप सिंह)
दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया ने सेमिनार करवाया- दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में करियर गाइडेंस पर लगी कार्यशाला- दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, डायरेक्टर व प्रिंसिपल डॉक्टर सपना गुप्ता के दिशा-निर्देशन में ग्लिटर डेन में दसवीं, ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा के छात्रों के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने के लिए एक करियर गाइडेंस सत्र का आयोजन किया। इस अवसर पर डायरेक्टर व प्रिंसिपल डॉक्टर सपना गुप्ता कहा कि इस वर्कशाप का उद्देश्य विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को

बढ़ाना है। इससे वह जीवन में किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकेंगे। आज किसी भी क्षेत्र में रोजगार के अवसरों की कमी नहीं है। अगर समय रहते विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास व संचार कौशल में सुधार किया जाए तो उनके लिए रोजगार हासिल करना आसान हो जाता है। इसी उद्देश्य से हमारे विद्यालय में समय-समय पर इस प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन हो रहा है, ताकि विद्यार्थी को शिक्षा के साथ संचार कौशल में पारंगत किया जा सकें। समसामयिक समय में ढेर सारे करियर विकल्प उपलब्ध होने के कारण, करियर परामर्श सत्र की भूमिका अपरिहार्य हो जाती है। सत्र का संचालन आईसीएआई सदस्यों की एक टीम- इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा किया गया। रिसोर्स पर्सन (प्रवक्ता) सीए जगदीश धमीजा, चेयरमैन, पानीपत चार्टर्ड अकाउंटेंट ब्रांच आईसीएआई और वक्ता सीए अरुशी थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चाहे छात्र कोई भी करियर को विकल्प के रूप में चयन करें। उसका गहन ज्ञान होना चाहिए, ऐसा न हो कि वह ऐसे करियर में पहुँच जाए जो उसके लिए नहीं बना है। छात्रों को रुचि व कौशल के हिसाब से कोर्स का चुनाव करना चाहिए। सीए को एक अच्छे और अनुकूल विकल्प के रूप में सभी आवश्यक जानकारी के साथ छात्रों के सामने पेश किया गया। इसके साथ ही उन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने में कुछ भ्रांतियों के बारे में स्टूडेंट्स को अवगत करवाया। साथ ही उन भ्रांतियों का निवारण भी बताया। स्टूडेंट्स को चार्टर्ड अकाउंटेंट के पाठ्यक्रम में हुए बदलाव और नए जोड़े गए टॉपिक्स के बारे में विस्तार से बताया। चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने के बाद में क्या करें और क्या ना करें? इसके बारे में स्टूडेंट्स को समझाया। कार्यक्रम के दौरान स्टूडेंट्स ने अपनी जानकारी बढ़ाने के लिए प्रश्न पूछे। इस कार्यक्रम से चार्टर्ड अकाउंटेंट के लिए स्टूडेंट्स का रुझान बढ़ा।

दिव्यांशु ने 103 डिग्री बुखार में भी किया जनसभा को संबोधित

टीम एक्शन इंडिया
समालखा(कुलदीप सिंह)
करनाल लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी दिव्यांशु बुद्धि राजा ने 103 डिग्री बुखार होने के बावजूद समालखा में देर रात जनसभा को संबोधित किया। समालखा नगर पालिका की वाइस चेयरपर्सन के प्रतिनिधि एवं पूर्व पार्षद सुभाष शर्मा द्वारा आयोजित इस जनसभा में समालखा पंजाबी सभा के पूर्व प्रधान एवं पूर्व पार्षद श्याम सुंदर बरेजा ने कांग्रेस प्रत्याशी दिव्यांशु बुद्धि राजा को पगड़ी व गद्दा भेंट कर उन्हें सहयोग का आश्वासन दिया। इस मौके पर

की पार्षद व पूर्व पार्षदों ने कांग्रेस प्रत्याशी का समर्थन किया। इस मौके पर जनसभा को संबोधित करते हुए दिव्यांशु बुद्धि राजा ने भाजपा प्रत्याशी मनोहर लाल पर निशाना साधते हुए कहा कि जो मनोहर लाल पहले कहता था कि वह फार्म भरकर पूरे प्रदेश में प्रचार करेंगे मेरा चुनाव यहां की जनता लड़ेंगी।

रहस्यमयी कमरुनाग झील

भारत का पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश अपने पौराणिक महत्त्व के साथ-साथ रहस्यों का गढ़ भी माना जाता है। बर्फ की चादर ओढ़े यहां कई ऐसी जगहें मौजूद हैं, जिनका प्राचीन इतिहास अपने अंदर कई गहरे राज्य समेटे हुए है। यही नहीं यहां के कुछ स्थलों की पहचान तो महाभारत काल से की गई है, वहीं कुछ स्थल अब भी रहस्यमयी बने हुए हैं। इन रहस्यों में छिपे अरबों-खरबों के खजाने के राज। हिमाचल प्रदेश में ऐसी एक झील है, जिसमें अरबों-खरबों का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी ने इस झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की है। हम किसी भूखंड की नहीं, बल्कि हिमाचल में मौजूद एक ऐसी झील की बात करेंगे, जहां अरबों-खरबों का खजाना गढ़े होने की बात कही जाती है। कमरुनाग झील हिमाचल की प्रमुख झीलों में से एक है। यह मंडी घाटी की तीसरी प्रमुख झील है। इस झील का नाम घाटी के देवता कमरुनाग के नाम पर पड़ा है। जहां जून माह में विशेष मेले का आयोजन होता है। धार्मिक मान्यता है कि प्रतिवर्ष 14-15 जून को बाबा कमरुनाग पूरी दुनिया में दर्शन देते हैं। यूं तो दुनियाभर से लोग हिमाचल प्रदेश की खूबसूरत वादियों को देखने के लिए आते हैं। यहां ऐसे कई खूबसूरत नजारें मौजूद है, जिन्हें देखने के बाद विदेशी क्या देसी लोग भी दीवाने हो जाते हैं। मण्डी से करीब 60 किलोमीटर की दूरी पर रोहांडा के घने जंगलों में स्थित कमरुनाग झील में अरबों का खजाना छुपा है। हालांकि झील के गर्भ से अब तक किसी ने इस खजाने को निकालने की हिम्मत नहीं की। इसका कारण बेहद ही चौंकाने वाला है। दरअसल, यहां एक बहुत ही मशहूर मंदिर है और इसी मंदिर के पास कमरुनाग झील है।

हिमाचल प्रदेश में ऐसी एक झील है, जिसमें अरबों-खरबों का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी ने इस झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की है। हम किसी भूखंड की नहीं, बल्कि हिमाचल में मौजूद एक ऐसी झील की बात करेंगे, जहां अरबों-खरबों का खजाना गढ़े होने की बात कही जाती है।

जून माह में विशेष महत्व

इस स्थल का जून माह में विशेष महत्व है। दरअसल जून के महीने में यहां एक विशेष मेले का आयोजन होता है। धार्मिक मान्यता है कि प्रतिवर्ष 14-15 जून को बाबा कमरुनाग पूरी दुनिया में दर्शन देते हैं। इस खास मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन को पहुंचते हैं।

मनोकामना के लिए चढ़ाए जाते हैं हीरे-जवाहरात

कहा जाता है कि जो भी भक्त मंदिर में दर्शन करने आते हैं, वो इस झील में सोने-चांदी के गहने और रुपये-पैसे डालते हैं। दूर-दूर से आए लोग मनोकामना पूरी होने पर झील में करंसी, नोट, हीरे-जवाहरात चढ़ाते हैं। महिलाएं सोने चांदी के जेवर इस झील को अर्पित कर देती हैं। यह झील आभूषणों से भरी है। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। इसी परंपरा के आधार पर यह माना जाता है कि इस झील में अरबों का खजाना है।

भेंट चढ़ाने का भी निश्चित समय

झील में अपने आराध्य के नाम से भेंट चढ़ाने का भी एक शुभ समय है। जब देवता को कलेबा लगेगा अर्थात भोग लगेगा, तब ही झील में भेंट डाली जाती है।

अरबों का खजाना, फिर भी नहीं सुरक्षा का प्रबंध

झील में अरबों की दौलत होने के बावजूद सुरक्षा का कोई प्रबंध नहीं है। लोगों की आस्था है कि कमरुनाग इस खजाने की रक्षा करते हैं। देव कमरुनाग मंडी जिला के सबसे बड़े देव हैं।

फूलों की अनूठी परेड

नीदरलैंड का छोटा-सा कम आबादी वाला शहर है जनडर्ट। यहां राष्ट्रीय स्तर की फ्लावर परेड और प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। ट्यूलिप का मौसम आते ही नीदरलैंड में मानों फूल ही फूल नजर आने लगते हैं। देश का प्रसिद्ध बल्ब फ्लावर सेलिब्रेशन होता है जिसमें हर साल फूलों की परेड निकाली जाती है और यह सिर्फ परेड नहीं होती बल्कि सबसे बेहतर मॉडल तैयार करने का कॉम्पीटिशन भी होता है। यह कॉम्पीटिशन 1936 से ही इसी तरह हर साल आयोजित होती रही है। वैसे तो यह कार्यक्रम सितंबर महीने के फर्स्ट वीक में होता है, लेकिन इसकी तैयारियां मई और जून से ही शुरू हो जाती है। पूरे नीदरलैंड से लोग इसमें हिस्सा लेने तो पहुंचते ही हैं लेकिन जनडर्ट शहर के लोगों के लिए यह किसी फेस्टिवल से कम नहीं होता। इसमें हर एज ग्रुप के लोग चाहे बच्चे हों या बूढ़े, बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

नीदरलैंड का छोटा-सा शहर है जनडर्ट, भले ही यह शहर आकार और आबादी में छोटा हो, लेकिन यहां राष्ट्रीय स्तर की फ्लावर परेड और प्रतियोगिता आयोजित की जाती है, जिसमें पूरे देश के आर्टिस्ट अपने मॉडल के साथ परेड करते हैं और जिनका मॉडल सबसे बेहतर होता है उन्हें प्राइज दिया जाता है।

कैसे होती है तैयारियां

- मॉडल्स वायर, कार्डबोर्ड और हजारों डहेलिया फूलों से तैयार किए जाते हैं, जो खासतौर से परेड के लिए उगाए जाते हैं।
- फूलों से जो मॉडल तैयार किए जाते हैं उसकी पहली शर्त होती है कि वो कलरफुल और ब्राइट होने चाहिए। साथ ही जो फूल मॉडल के ऊपर लगाए जाते हैं वो तीन दिन पहले लगाए जाने चाहिए उससे पहले नहीं।
- मॉडल के ऊपर डहेलिया लगाने के काम में हजारों वॉलेंटियर दिन-रात काम करते हैं।
- सबसे बेहतरीन मॉडल चुनने के लिए ज्यूरी होती है जो विनर का नाम सिलेक्ट करती है।

फूल उगाना बुजुर्गों का काम

मॉडल को तैयार करने के लिए अलग-अलग रंगों के सिर्फ डहेलिया फूलों को ही यूज करते हैं। फूलों को उगाने का काम जहां बुजुर्ग करते हैं वहीं यंगस्टर्स मॉडल की डिजाइनिंग और उसके कंसेप्ट पर काम करते हैं। यानी हर उम्र के लोग इस फेस्टिवल का हिस्सा बनते हैं।

एक तरह का छलावा है थ्री डी आर्ट

सालों पहले जब थ्री डी मूवीज थियेटर्स में आई थीं तब स्पेशल चश्मे से उन्हें देखने वाले दर्शक किसी जादू की तरह फील करते थे।

सालों पहले जब थ्री डी मूवीज थियेटर्स में आई थीं तब स्पेशल चश्मे से उन्हें देखने वाले दर्शक किसी जादू की तरह फील करते थे। जैसे जादू आंखों का धोखा है ठीक वैसे ही थ्री डी आर्ट भी एक तरह का छलावा है। यानी यहां जो जैसा दिखता है वो जरूरी नहीं कि वैसा ही हो। दुनियाभर में आज इस आर्ट को लेकर कई तरह के प्रयोग हो रहे हैं। पेंटिंग, स्कल्पचर, पेपर और अन्य माध्यमों में थ्री डी आर्ट को प्रस्तुत किया जा रहा है। चलो इस दुनिया की सैर करते हैं।

जादू भरी करामात

थ्री डी आर्ट के मामले में असल चीज आर्टिस्ट की कल्पना ही है। इसी पर सारा जादू डिपेंड करता है। असली रंग, पेपर और मूर्तिकला के सामान के साथ ये आर्टिस्ट अनोखा संसार रच डालते हैं। जैसे किसी सड़क के बीच में बहती असली सी नदी या पेपर के एक टुकड़े पर रेंग रहा सांप। इसमें चीजों का एंगल जादू क्रिएट करने का काम करता है। यानी सामान्य पेंटिंग्स को भी कलाकार ऐसे एंगल के साथ प्रस्तुत करते हैं कि वो लाइव और एक्शन में दिखाई देता है। प्रस्तुत हैं ऐसे कुछ आर्टिस्ट-

चॉक से खड़ी तस्वीरें

लियोन कीर एक ऐसे थ्री डी आर्ट के महारथी हैं जो अपनी कला के जरिए लोगों तक पर्यावरण के संरक्षण से लेकर आम जीवन में भी इमोशंस को बनाए रखने का सन्देश पहुंचाते रहते हैं। नीदरलैंड के रहने वाले लिओन देश-विदेश में कई जगह टू डी और थ्री डी स्ट्रीट आर्ट को प्रेजेंट कर चुके हैं। सैनिकों के वेश में बच्चों के खिलौने लेगो सिटी के जैसी भी आकृतियां उन्होंने बनाई जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। चॉक से बनाई गई यह लेगो टेराकोटा आर्मी एक इंटरनेशनल चॉक फेस्टिवल का हिस्सा रही है।

इनकी क्रिएटिविटी ने रचा इतिहास

जोए हिल और मैक्स लॉरी, थ्री डी आर्ट की फील्ड में एक ऐसा नाम बन गए हैं जिनकी पेंटिंग गिनीज बुक में भी शामिल की जा चुकी है। इतिहास रचने वाली ये पेंटिंग सबसे लम्बी और सबसे बड़ी पेंटिंग के तौर पर गिनीज बुक में शामिल हुई। ये दोनों ब्रिटिश आर्टिस्ट पिछले लगभग 10 सालों से इस फील्ड से जुड़े हैं। परियों की कहानियों से लेकर प्रिंस विलियम की शादी, निंजा टर्टल जैसे सुपर कैरेक्टर्स और असली दिखने वाले वॉटरफॉल जैसी कई आकृतियां ये दोनों दुनियाभर में घूम कर रचते रहे हैं। इसके अलावा वो कई सारे एड और मूवी प्रोजेक्ट्स के साथ भी जुड़े हुए हैं।

राजा की परेशानी

राजा ने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। विचार होने लगा कि चोर को क्या सजा दी जाए? चोर के हाथों एक व्यक्ति की हत्या हुई थी। काफी विचार होने के बाद भी कुछ तय नहीं हो सका। इससे पहले ऐसा अपराध किसी ने किया भी नहीं था। इसी से किसी की समझ में कुछ नहीं आ रहा था कि उसे क्या सजा दी जाए?

एक छोटा सा राज्य था। कुल दस-पांच हजार की आबादी रही होगी। जब राज्य था, आबादी थी, तो एक राजा भी था। भले ही छोटा राजा। वैसे भी जब राज्य था, तो सेना, मंत्री, सभासद भी थे। इस राज्य में पहले अदालतें भी थीं। लेकिन वहां का राजा और प्रजा सभी शांतिप्रिय थे। कभी किसी से किसी का लड़ाई-झगड़ा नहीं होता था। इसलिए फिजूलखर्ची समझ अदालतें बंद कर दी गईं। अपने पड़ोसी राज्यों से राजा के बड़े मित्रतापूर्ण संबंध थे। इसलिए सेना के नाम पर केवल सौ-सवा सौ सैनिक थे। किसी के भी पास तलवार-बंदूकें नहीं थीं। सबके हाथ में बस एक बेंत रहती थी। शांति बनाए रखने के लिए इतना काफी था।

एक बार राजा एक विचित्र परेशानी में फंस गया। राज्य में पहली बार एक व्यक्ति किसी के घर में चोरी के लिए घुसा। संयोग से वहां मारपीट हो गई। चोर के हाथों एक व्यक्ति मारा गया। सैनिक चोर को पकड़कर राजा के पास ले गए।

राजा ने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। विचार होने लगा कि चोर को क्या सजा दी जाए? चोर के हाथों एक व्यक्ति की हत्या हुई थी। काफी विचार होने के बाद भी कुछ तय नहीं हो सका। इससे पहले ऐसा अपराध किसी ने किया भी नहीं था। इसी से किसी की समझ में कुछ नहीं आ रहा था कि उसे क्या सजा दी जाए?

अचानक एक मंत्री बोला, महाराज, पड़ोस के राज्य में अदालतें हैं। जरूर वहां इस तरह के मामले आते होंगे। क्यों न इस चोर को दंड के निर्णय के लिए वहीं भेज दिया जाए।

राजा को यह सुझाव जंच गया। चोर को वहां भेजकर पड़ोसी राजा से एक फैसला लेने की प्रार्थना की गई। राजा की परेशानी टल गई। लेकिन दो दिन बाद ही चोर के साथ राजा की परेशानी फिर लौट आई। पहले से बड़ी होकर। वहां की अदालत ने फैसला दिया, 'चूंकि इस चोर ने हत्या की है। इसलिए इसका सिर कलम कर दिया जाए।' अब राजा के यहां कोई जल्लाद नहीं था। सैनिकों से कहा गया, तो उन्होंने साफ जवाब दे दिया, हमने किसी की इस तरह हत्या करना नहीं सीखा है। फिर हम इसके लिए रखे भी नहीं गए हैं। हमारे पास एक तलवार क्या, चाकू तक नहीं है।

राजा ने परेशान होकर फिर मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। कई दिनों तक विचार मंथन हुआ। अंत में सब लोग इस नतीजे पर पहुंचे कि क्यों न इस चोर की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया जाए। राजा की परेशानी फिर टल गई।

मगर राज्य में कोई जेल नहीं थी, जहां सजा पाए अपराधी को रखा जाए। इसलिए एक कोठरी बनवाई गई। चोर को उसमें रखा गया। एक पहरेदार नियुक्त किया गया। वह चोर की निगरानी करता था। राजमहल से उसके लिए भोजन भी ले आता था।

राज्य की आमदनी बहुत मामूली थी। राजा के लिए इस पहरेदार का खर्च उठाना भारी पड़ गया। अब इस परेशानी से कैसे मुक्ति मिले? राजा ने फिर मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। तय हुआ कि पहरेदार को हटा लिया जाए। चोर जहां जाना चाहे जाए। इस मुसीबत से छुटकारा पाने का यही एक उपाय था। अगले दिन चोर की नींद खुली, तो उसने देखा कि वहां पहरेदार नहीं था। दरवाजे भी खुले हुए थे। जब कोई और उसका भोजन लेकर नहीं आया, तो वह स्वयं थाली लेकर राजमहल पहुंच गया। फिर तो उस का रोज का यही काम हो गया। राजभवन से भोजन ले आता। फिर खा-पीकर चैन की नींद सो जाता। इस खर्च से राजा की परेशानी फिर बढ़ गई। उसने चोर को कहलवाया, अब तुम आजाद हो। जहां चाहो, भाग जाओ। कोई कुछ नहीं बोलेगा।

मगर चोर ने जवाब दिया, मैं भागकर अब कहां जाऊं? लोग मुझे देखते ही गालियां देंगे। मुझे मारने दौड़ेंगे। मुझे मौत की सजा क्यों नहीं दी गई?

राजा की परेशानी बढ़ी, तो उसने फिर मंत्रियों से सलाह ली। मंत्रियों ने सोच-विचारकर कहा, महाराज, इस का भोजन-पानी बंद कर दीजिए। भोजन नहीं मिलेगा, तो स्वयं कहीं निकल जाएगा। लेकिन चोर भी जाने को तैयार नहीं हुआ। वह भूखा-प्यासा ही रहने लगा। चोर ने लोगों से गुहार लगाई। वहां के लोगों को लगा कि उस व्यक्ति को इस तरह भूखा रखना तो सचमुच राजा का अन्याय है। उन्होंने राजा से इस बारे में पूछा। राजा ने स्वयं की परेशानी बताई।

बहुत सोच-विचार के बाद लोगों ने राजा से कहा, राजन, एक उपाय है। इस चोर को भोजन देने में आपको कोई आपत्ति नहीं होगी। इसने गैर इरादतन जो हत्या की है, उसका प्रायश्चित भी हो जाएगा। लोग इसका सम्मान भी करेंगे।

वह क्या? राजा ने प्रसन्नता से पूछा।

राजन, पिछले दो साल हमारे यहां अच्छी वर्षा नहीं हुई। इससे मार्गों के किनारे लगे अधिकांश वृक्ष सूख गए। जनता को यात्रा में बड़ा कष्ट होता है। आप इससे मार्गों के किनारे छायादार और फलों वाले वृक्ष लगवाएं। उसके बदले इसे रोजी-रोटी मिलेगी और पूरे राज्य का भला होगा। प्रजा भी इसको यह नेक काम करते देख, गालियां नहीं देगी। इसका आदर करेगी। इसके मन में भी फिर कभी अपराध न करने की भावना पैदा होगी।

राजा और उसका मंत्रिमंडल इस सुझाव से पूरी तरह संतुष्ट हुए। चोर को भी अच्छा लगा। काम मिला, रोटी मिली, लोगों का प्यार मिला। राजा को भी एक बड़ी परेशानी से मुक्ति मिल गई।

बार्सिलोना ने रेयो को 3-0 से हराया, सोरलोथ ने मैड्रिड को हराया

एजेंसी

मैड्रिड। बार्सिलोना ने रविवार को स्पेनिश लीग में आकर्षक दूसरा स्थान हासिल करने के लिए रेयो वैलेकानो को 3-0 से हरा दिया, जबकि चैंपियन रियल मैड्रिड ने विलारियल में 4-4 से ड्रॉ खेला, जिसमें नॉर्वे के स्ट्राइकर अलेक्जेंडर सोरलोथ ने विलारियल के लिए सभी चार गोल किए।अगले सप्ताह के अंत में अंतिम दौर में लड़ने के लिए बहुत कुछ नहीं बचेगा क्योंकि लास पालमास के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-0 से ड्रा होने के बाद कैडिज़ पद से हटने वाली आखिरी टीम बन गई। रियल सोसिदाद ने रियल बेटिस पर 2-0 की जीत के साथ अंतिम यूरोपा लीग स्थान हासिल किया, जो यूरोपा कॉन्फ्रेंस लीग में एक स्थान के साथ रह गया था।बार्सिलोना के लिए पेड्रि ने दो बार और रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने एक बार गोल किया, जिससे कैटलन प्रतिद्वंद्वी गिरोना से एक राउंड बाकी रहने तक चार अंकों का अंतर बना रहा। गिरोना ने वालेंसिया में 3-1 से जीत हासिल कर स्पेनिश लीग में पहली बार तीसरा स्थान हासिल किया। इसने पहले ही चैंपियंस लीग में जगह बना ली थी।एटलेटिको मैड्रिड अपने मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में मिडटेबल ओसासुना से 4-1 से हार के बाद चौथे स्थान पर रहेगा।लेवांडोव्स्की ने तीसरे मिनट में गोल किया और पेड्री ने 72वें और 75वें मिनट में गोल किये, जिससे बार्सिलोना ने पांच मैचों में चौथी बार जीत हासिल कर सऊदी अरब में आकर्षक स्पेनिश सुपर कप में दूसरा स्थान और एक स्थान हासिल किया।

मुझे उम्मीद है कि आईपीएल भारत के लिए खेलने का शॉर्टकट नहीं है- गौतम गंभीर

चेन्नई। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर को आईपीएल और उससे पैदा होने वाली क्रिकेट की गुणवत्ता पसंद है, लेकिन वह नहीं चाहते कि फ्रेंचाइजी आधारित टी20 लीग युवाओं के लिए भारतीय टीम में प्रवेश का मार्ग बने।रविचंद्रन अश्विन के यूट्यूब शो कुट्टी स्टोरीज विद ऐश पर बोलते हुए गंभीर ने कहा,बड़ी चिंता यह है कि कितने युवा भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं। मुझे उम्मीद है कि आईपीएल भारत के लिए खेलने का कोई शॉर्टकट नहीं है।कोलकाता नाइट राइडर्स टीम के मेंटर ने यह भी कहा कि आईपीएल से भारतीय घरेलू क्रिकेटरों को फायदा हुआ है।उन्होंने कहा, आज, जब मैं अंतरराष्ट्रीय टी20 टीमों को देखता हूं, तो 2-3 टीमों के अलावा, जब भारत के लिए खेलने की बात आती है तो मुझे पर्याप्त प्रतिस्पर्धा नहीं दिखती। बहुत सी टीमें भारत की गुणवत्ता की बराबरी नहीं कर सकतीं। इसलिए, मुझे लगता है कि आज के समय में, आईपीएल अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट की तुलना में कहीं अधिक प्रतिस्पर्धी हो गया है।÷बस घरेलू खिलाड़ियों की गुणवत्ता बदल गई है, जिस तरह से घरेलू खिलाड़ी आईपीएल में खेलना चाहते हैं और जिस तरह से वे टी20 क्रिकेट के आसपास काम करते हैं - मुझे लगता है कि उनका ज्यादातर ध्यान टी20 क्रिकेट खेलने पर है। गंभीर, जिन्होंने एमएस धोनी के साथ 2011 में भारत को एकदिवसीय विश्व कप फाइनल जीतने में मदद की और केकेआर को 2012 और 2014 में दो इंडियन प्रीमियर लीग खिताब दिलाए, इस सीज़न में टीम मेंटर के रूप में टीम में लौट आए।

एमएस धोनी मांसपेशियों के इलाज के लिए जा सकते हैं लंदन- रिपोर्ट

मुंबई। सीएसके के सूत्रों ने कहा है कि अपने संन्यास को लेकर तेजी से उठ रहे सवालों के बीच, भारत और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी मांसपेशियों में चोट के इलाज के लिए लंदन जाने की योजना बना रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि धोनी ठीक होने के बाद अपनी भविष्य की रणनीति पर फैसला लेंगे।शनिवार को करो या मरो के मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से हार के बाद सीएसके इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 की प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई।यह केवल तीसरी बार होगा जब पांच बार का चैंपियन आईपीएल प्लेऑफ़ में शामिल नहीं होगा। मौजूदा चैंपियन को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में 27 रन से हार का सामना करना पड़ा और जैसे ही एम.एस. धोनी 13 गेंदों में 25 रन बनाकर मैदान से बाहर चले गए, उनके भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गईं।हालांकि, नवीनतम घटनाक्रम में जानकारी रखने वाले सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि धोनी लंदन में सर्जरी के बाद ही अपने संन्यास के बारे में फैसला करेंगे।

टी20ई तीन गेमडेज़ डबल-हेडर का हिस्सा होंगे

नई दिल्ली। 2024 महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 21-29 अगस्त तक त्रिनिदाद में आयोजित की जाएगी, जिसमें वेस्ट इंडीज और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन पुरुष टी20ई के साथ-साथ तीन गेमडेज़ डबल-हेडर का हिस्सा होंगे। सेंट जॉन्स (एंटीगुआ): 2024 महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 21-29 अगस्त तक त्रिनिदाद में आयोजित की जाएगी, जिसमें वेस्ट इंडीज और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन पुरुष टी20ई के साथ-साथ तीन गेमडेज़ डबल-हेडर का हिस्सा होंगे। यह पहली बार होगा कि पुरुषों के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेल महिलाओं की फ्रेंचाइजी टी20 प्रतियोगिता खेलों के साथ डबल-हेडर का हिस्सा होंगे। तीन डबल हेडर क्रमशः 23, 25 और 27 अगस्त को त्रिनिदाद में ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में होंगे। क्रिकेट वेस्टइंडीज के लिए महिला क्रिकेट एक रणनीतिक प्राथमिकता बनी हुई है, और यह WCPL 2024 के लिए एक और रोमांचक नई अवधारणा है। हमें यकीन है कि इन डबल हेडर में त्रिनिदाद के लोगों की भारी रुचि होगी, क्योंकि प्रशंसक देख सकेंगे क्रिकेट वेस्टइंडीज के सीईओ जॉनी ग्रेव ने एक बयान में कहा, विश्व स्तरीय अंतरराष्ट्रीय पुरुष क्रिकेट, जिसके बाद क्षेत्र की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ विदेशी खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करती हैं।

चीन ने पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के चौथे दिन 3 स्वर्ण पदक जीते

एजेंसी

कोबे। चीनी एथलीटों ने यहां पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीते और एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। महिलाओं की 100 मीटर टी36 फ़ाइनल में, चीन की शि यितिंग ने 13.35 सेकंड का समय लेकर विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया और इस स्पर्धा में लगातार चौथी बार विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक जीता।

चीन ने पुरुषों की 400 मीटर टी54 में पदक जीते, हू यांग ने 44.98 में चैंपियनशिप रिकॉर्ड तोड़कर स्वर्ण पदक जीता, उसके बाद उनके हमवतन दाई यानकियांग और झांग यिंग ने स्वर्ण पदक जीता। ज़ोउ लिजुआन ने 9.11 मीटर के चैंपियनशिप रिकॉर्ड थ्रो के साथ महिलाओं के शॉट पुट श्र34 फाइनल में जीत हासिल की। इसके अलावा , चीन के हुआंग जून और एन डोंगक्वान ने क्रमशः पुरुषों के शॉटपुट श्र41 और भाला फेंक श्र38 फाइनल में कांस्य पदक जीता। नौ

दिवसीय प्रतियोगिता के चौथे दिन चीन 13 स्वर्ण, नौ रजत और 11 कांस्य के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रहा। पहली बार पूर्वी एशिया में आयोजित विश्व चैंपियनशिप पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों के लिए क्वालीफायर के रूप में काम करेगी। चैंपियनशिप में 168 स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा करने वाले 100 देशों और क्षेत्रों के 1,000 से अधिक एथलीटों ने हिस्सा लिया है। 25 मई तक चलने वाली चैंपियनशिप में कुल 73 चीनी पैरा-एथलीट प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। मूल रूप से 2021 के लिए निर्धारित, इस आयोजन को कोविड-19 महामारी के कारण दो बार स्थगित किया गया था।

विश्व पैरा-एथलेटिक्सः भाग्यश्री जाधव ने महिला शॉट पुट एफ34 में जीता रजत

एजेंसी

कोबे। भारतीय एथलीटों ने 2024 विश्व पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखा है और यहां भाग्यश्री जाधव ने महिला शॉट पुट एफ34 में रजत पदक हासिल किया।

टॉप स्कीम एथलीट भाग्यश्री ने फाइनल में 7.52 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक हासिल किया। इसी के साथ इस प्रतियोगिता में भारत के नाम अब पांच पदक हो गए हैं, जिनमें एक स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक शामिल है।

पहले टर्न में आयरन बॉल को 7.56 मीटर तक उछालने के बाद, भाग्यश्री ने तीन फाउल थ्रो फेंके और फिर 6.82 मीटर का थ्रो किया और उसके बाद 7.52 के प्रयास के साथ आगे बढ़ी।

चीन की लिजुआन ज़ोउ ने 8.48 मीटर की सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि मोरक्को की सईदा अमौदी ने 7.02 मीटर की थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता। यह

तीसरा पदक है जो भारत ने जीता। इससे पहले दिन की शुरुआत में 20 वर्षीय दीप्ति जीवनजी ने महिलाओं की 400 मीटर टी20 में विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया और विश्व पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत का पहला स्वर्ण पदक जीता।

दीप्ति ने 55.07 सेकंड का समय लेकर अमेरिकी ब्रीना क्लार्क के 55.12 सेकंड के पहले विश्व रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जो उन्होंने पिछले साल पेरिस में बनाया था।

शीर्ष पैरा डिस्कस थ्रोअर योगेश कथूनिया ने एफ56 श्रेणी में रजत पदक हासिल किया। कथुनिया ने 41.80 मीटर का उल्लेखनीय थ्रो हासिल किया, जिससे वह ब्राजील के क्लॉडनी बतिस्ता डॉस सैंटोस के बाद दूसरे स्थान पर रहे, जिन्होंने स्वर्ण पदक जीता। कांस्य पदक स्लोवाकिया के डुसान लैक्जो को मिला।

भारतीय मिश्रित 4×400 मीटर टीम ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण

एजेंसी

बैंकॉक। भारत ने यहां उद्घाटन एशियाई रिले चैंपियनशिप 2024 में मिश्रित 4×400 मीटर टीम स्पर्धा नये राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। मुहम्मद अजमल, ज्योतिका श्री दांडी, अमोज जैकब और सुभा वेंकटेशन की भारतीय रिले टीम ने 3:14.12 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता और 3:14.34 के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जो मुहम्मद अजमल, विथ्या रामराज, राजेश रमेश और सुभा ने पिछले साल हांगझू में एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतकर बनाया था। श्रीलंका की टीम ने 3:17.00 के समय के साथ रजत पदक जीता, जबकि वियतनाम ने 3:18.45 के समय के साथ कांस्य पदक जीता।

रिकॉर्ड तोड़ने प्रदर्शन के बावजूद, भारतीय टीम अभी भी मिश्रित 4×400 मीटर स्पर्धा में

पेरिस 2024 ओलंपिक कोटा हासिल नहीं कर सकी है। इस महीने की शुरुआत में बहामास में विश्व रिले से सीधा कोटा हासिल करने में विफल रहने के बाद, भारतीय मिश्रित 4×400 मीटर रिले टीम को अब पेरिस में आगामी ओलंपिक खेलों के लिए कट बनाने के लिए रोड टू पेरिस रैंकिंग पर निर्भर रहना होगा।

बैंकॉक के नतीजे से भारत को रोड टू पेरिस रैंकिंग में दो पायदान ऊपर 21वें स्थान पर पहुंचने में मदद मिलेगी, लेकिन शीर्ष 16 में स्थान ही उन्हें पेरिस में होने वाले आयोजन में जगह की गारंटी देगा।

इटली, 3:13.56 समय के साथ, वर्तमान में मिश्रित 4×400 मीटर रिले रोड टू पेरिस रैंकिंग में 16वें स्थान पर है। पेरिस 2024 ओलंपिक रिले स्पर्धाओं के लिए क्वालिफिकेशन विंडो 30 जून को समाप्त हो रही है।

बहामास में विश्व रिले में अपनी-अपनी हीट में दूसरे स्थान पर रहने के बाद भारतीय पुरुष और महिला रिले टीमों ने पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

फ्रेंच ओपनः थिएम क्वालीफाइंग के दूसरे दौर में पहुंचे

एजेंसी

फ्रांस। डोमिनिक थिएम ने क्वालीफाइंग के पहले दौर में फ्रेंको अगामेनोन के खिलाफ वापसी जीत के साथ अपने फ्रेंच ओपन स्वांसोंग

की शुरुआत की।पूर्व यूएस ओपन चैंपियन ने कोर्ट सुज़ैन लेंग्लेन पर खचाखच भरी भीड़ के सामने इटली के अगामेनोन को 3-6, 6-3, 6-2 से हराया। 30 वर्षीय ऑस्ट्रियाई इस साल के अंत में सेवानिवृत्त हो जाएंगे, लेकिन उन्हें रोलैंड गैरोस के लिए वाइल्डकार्ड नहीं दिया गया, जहां वह 2018 और 2019 में उपविजेता रहे थे।रविवार से शुरू होने वाले ग्रैंड स्लैम के मुख्य ड्रॉ में पहुंचने के लिए थिएम को दो और मैच जीतने होंगे।वह 2020 में न्यूयॉर्क में अपनी जीत के बाद से कलाई की चोट से जूझ रहे हैं और विश्व रैंकिंग में 131वें स्थान पर खिसक गए हैं।ब्रिटेन के बिली हैरिस ने अपने क्वालीफाइंग अभियान की शुरुआत अमेरिकी एमिलियो नवा पर 6-3, 4-6, 6-1 से जीत के साथ की, लेकिन लिली मियाज़ाकी चीन की वेई सिजिया से 6-1, 6-1 से हार गई और जान चोइन्स्की 6-4, 6- से हार गई। संयुक्त राज्य अमेरिका के डेनिस कुडला को 4।कैमरून नोरी, जैक ड्रेपर, डैन इवांस और एंडी मरे सभी पुरुष एकल के लिए प्रवेश सूची में हैं, महिलाओं में केटी बोल्टर, हैरियट डार्ट और जोडी बर्रेज हैं।

कोपा अमेरिका 2024 के लिए अर्जेंटीना की टीम घोषित, मेसी होंगे कप्तान

एजेंसी

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना ने कोपा अमेरिका 2024 के लिए अपनी अस्थायी टीम की घोषणा की है, जिसका नेतृत्व लियोनेल मेसी करेंगे।

अर्जेंटीना, जो मौजूदा चैंपियन के रूप में कोपा अमेरिका में प्रवेश कर रहा है, टूर्नामेंट से पहले क्रमशः 9 और 14 जून को इक्वाडोर और ग्वाटेमाला से दोस्ताना मैच खेलेगा। इन मैचों के बाद 29 सदस्यीय टीम को अंततः घटाकर 26 कर दिया जाएगा, टूर्नामेंट की आयोजन संस्था दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल परिसंघ ने इस महीने टीम का आकार 23 से बढ़ाकर 26 कर दिया है। टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में, मेसी ने फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी ब्राजील को 1-0 से हराकर एल्बीसेलेस्टे के साथ अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय ट्रॉफी जीती। उस गेम में गोल करने वाले खिलाड़ी

एंजेल डि मारिया ने भी अब 36 वर्ष के होने के बावजूद टीम में जगह बना ली है। टीम में तीन लीग विजेता, जूलियन अल्वारेज़, लुटारो मार्टिनेज और एक्सक्विएल पलासियोस शामिल हैं, जिन्होंने क्रमशः तीन अलग-अलग देशों, इंग्लैंड (मैनचेस्टर सिटी), इटली (इंटर मिलान) और जर्मनी (बायर लीवरकुसेन) में शीर्ष डिवीजन जीता है। 2022 में अर्जेंटीना को फीफा विश्व कप दिलाने वाले मेसी पिछले महीने तक हैमस्ट्रिंग से जूझ रहे थे, लेकिन उन्होंने संकेत दिया था कि वह महाद्वीपीय टूर्नामेंट में अपने देश के लिए खेलना जारी रखना चाहेंगे।

अर्जेंटीना को ग्रुप ए में पेरू, चिली और कनाडा के साथ रखा गया है। अर्जेंटीना की टीम 20 जून को जॉर्जिया के मर्सिडीज-बेंज स्टेडियम में कनाडा के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

अर्जेंटीना की टीम इस प्रकार है- गोलकीपरः फ्रेंको अरमानी, गेरोनिमो रूली, एमिलियानो मार्टिनेज।

डिफेंडर्सः गोंजालो मोंटिएल, नहुएल मोलिना, लियोनार्डो बलेरडी, क्रिस्टियन रोमेरो, जर्मन पेज़ेला, लुकास मार्टिनेज, निकोलस ओटामेंडी, लिसेंड्रो मार्टिनेज, मार्कोस एक्यूना, निकोलस टैग्लियाफिको, वैलेन्टिन बारको।

मिडफील्डरः गुइडो रोड्रिग्ज, लिएंड्रो पेरेडेस, एलेक्सिस मैक एलिस्टर, रोड्रिगो डी पॉल, एक्सक्विएल पलासियोस, एंज़ो फर्नांडीज, जियोवानी लो सेल्सो।

फॉरवर्डः एंजेल डि मारिया, वैलेन्टिन कार्बोनी, लियोनेल मेसी, एंजेल कोरिया, एलेजांद्रो गार्नाचो, निकोलस गोंजालेज, लुटारो मार्टिनेज, जूलियन अल्वारेज़।

इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग का 5वां संस्करण 31 मई से शुरू होगा

एजेंसी

मंगलुरु। भारत में सर्फिंग और स्टैंड-अप पैडलिंग के खेल के लिए शासी निकाय, सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) ने इंडियन ओपन सर्फिंग (आईओएस) के पांचवें संस्करण की घोषणा की। अंतर्राष्ट्रीय सर्फिंग एसोसिएशन द्वारा मान्यता प्राप्त, यह प्रमुख सर्फिंग प्रतियोगिता 31 मई से 2 जून तक कर्नाटक के मंगलुरु में शांत ससिहित्लू समुद्र तट पर मंत्रा सर्फ क्लब द्वारा आयोजित की जाएगी।तीन दिवसीय सर्फिंग प्रतियोगिता में भारत के सभी शीर्ष रैंक वाले सर्फर भाग लेंगे। कर्नाटक सरकार ने लगातार पांचवीं बार इस आयोजन को अपना समर्थन दिया है। प्रतियोगिता में चार श्रेणियां शामिल होंगी- पुरुष ओपन, महिला ओपन, ग्रोम्स (अंडर-16) लड़के और ग्रोम्स (अंडर-16) लड़कियां। Playअनम्यूट फुलस्क्रीनमार्च में वर्कला के खूबसूरत चट्टान समुद्र तट पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सर्फिंग महोत्सव केरल 2024 के बाद, इंडियन ओपन ऑफ़ सर्फिंग 2024 कैलेंडर वर्ष की राष्ट्रीय चैम्पियनशिप श्रृंखला का दूसरा पड़ाव होगा।

चयनकर्ताओं के लिए प्रतिभाशाली तो सुपर चयनकर्ता के लिए धनशाली क्रिकेटरों को चुनने की चुनौती!

एजेंसी

कानपुर। उत्तर प्रदेश की जूनियर और सीनियर क्रिकेट टीमों के चुनने का समय निकट आ गया है। ऐसे में प्रदेश के प्रतिभाशाली क्रिकेटरों की धड़कनें भी बढ़ने लगी हैं तो वहीं धनशाली और बलशाली क्रिकेटर टीम में अपना स्थान पक्का मानकर अन्य कार्यों में लिप्त हैं। यही नहीं ,अपनी प्रतिभा को तराशने के बजाए प्रदेश क्रिकेट संघ के भीतर जुगाड़ भिड़ाने के उद्देश्य से कई लोगों के सम्पर्क जुटाने का काम भी शुरू कर दिये हैं।

प्रदेश क्रिकेट टीम को चुनने के लिए वैसे तो चार सदस्यीय चयन समिति की निगरानी में ही चयन प्रक्रिया को अंजाम दिया जाता है, लेकिन कुछ वर्षों से प्रदेश के धनशाली और बलशाली क्रिकेटरों का बोलबाला भी प्रदेश की क्रिकेट टीम में देखने को मिल रहा है। अब तो चयन समिति वाले चयनकर्ता प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को टीम में चुनने के लिए मैदान में दिन रात अपना पसीना बहाते नजर आते हैं तो सुपर चयनकर्ता फोन पर ही धनशाली और बलशाली क्रिकेटरों को टीम में स्थान देने के लिए अपने निर्णय सर्वोपरि रखते हैं। सुपर चयनकर्ता पर इससे पूर्व भी रिश्वत लेकर टीम में प्रवेश दिलाए जाने पर मुकदमा भी पंजीकृत हो चुका है। संघ के सूत्रों के मुताबिक यूपीसीए की जूनियर, सीनियर और महिला चयन समिति के सदस्यों को अपनी रिपोर्ट सुपर चयनकर्ता के पास प्रेषित किए जाने के फरमान साल 2020 में ही जारी किए गए थे। गौरतलब है कि बीते कई सालों से प्रदेश की

क्रिकेट टीम में प्रतिभाशाली क्रिकेटरों के बजाए कुछ धन और बलशाली क्रिकेटरों का चयन इस बात की थोड़ी पुष्टि भी करता है। मैदान पर चयन प्रक्रिया के समय जिन क्रिकेटरों को चयनकर्ता टीम के लायक ही नहीं समझते, वह प्रशिक्षण शिविर में अपनी उपस्थिति गर्व के साथ कराते हैं और चयनकर्ताओं के साथ ही सपोर्टिंग स्टाफ पर भी दबाव डालने का काम करते हैं। सुपर चयनकर्ता के पास उन क्रिकेटरों की सूची उनके द्वारा नियुक्त किए एजेन्टों के पास रहती है और वह मध्यस्थता कर क्रिकेटरों को सुपर के पास पहुंचाने का काम करते हैं। बतातें चलें कि प्रदेश की क्रिकेट टीम में राज्य से सटे प्रदेशों के क्रिकेटरों का टीम में चयन कुछ इन्ही बातों को प्रदर्शित करने का काम कर रहा है। कई सालों से सुपर चयनकर्ता दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान आदि प्रदेशों के खिलाड़ियों को प्रदेश की टीम में चयन करवा चुके हैं। हालांकि प्रदेश के बाहर से खिलाड़ियों से किसी को आपत्ति नहीं है लेकिन उससे प्रदेश के प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को टीम में शामिल नहीं किया जा सका जिससे कई खिलाड़ियों का मनोबल ही टूट गया और उन्होंने क्रिकेट से संन्यास तक ले लिया। प्रदेश के पूर्व चयनकर्ता ने बताया कि अब चयनकर्ता मैदान पर टीम चुनने के लिए श्रेष्ठ क्रिकेटरों की प्रतिभा का अवलोकन करते हैं। वहीं सुपर धन और बलशाली क्रिकेटरों की बाह जोटते रहते हैं। इस बारे में यूपीसीए के एक सदस्य ने बताया कि अगली बैठक में सभी सदस्यों को अवगत करवाया जाएगा और चयनकर्ताओं के लिए केवल प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को ही चुनने के लिए निर्देश करवाए जाएंगे।

प्रीमियर लीग क्लब लिवरपूल ने अर्ने स्लॉट को अपना नया मैनेजर नियुक्त किया

एजेंसी

लिवरपूल। प्रीमियर लीग क्लब लिवरपूल ने अर्ने स्लॉट को अपना नया मैनेजर नियुक्त किया है। स्लॉट जर्गेन क्लॉप की जगह लेंगे। क्लब ने उक्त पुष्टि की।

स्लॉट ने छह बार के यूरोपीय कप विजेता और 19 बार के इंग्लिश चैंपियन लिवरपूल के साथ दीर्घकालिक अनुबंध पर हस्ताक्षर किया है। क्लॉप के नक्शेकदम पर चलते हुए उनका कार्य और भी कठिन हो गया है, जिन्होंने 2020 में प्रीमियर लीग खिताब के लिए लिवरपूल के 30 साल के इंतजार को समाप्त किया और एनफील्ड में अपने समय में प्रमुख ट्रॉफियों का एक पूरा सेट जीता। पिछले साल फेयेनोर्ड को डच खिताब दिलाने और उसके बाद इस सीज़न में डच कप जीतने के बाद 45 वर्षीय स्लॉट विजयी रिकॉर्ड के साथ आए हैं। कुछ समय से उनकी नियुक्ति की उम्मीद की जा

रही थी, स्लॉट ने पहले पुष्टि की कि वह अप्रैल में लिवरपूल के साथ बातचीत कर रहे थे और फिर पिछले हफ्ते घोषणा की कि वह क्लॉप के उत्तराधिकारी होंगे।

क्लॉप ने जनवरी में यह घोषणा करके फुटबॉल की दुनिया को चौंका दिया था कि वह सीज़न के अंत में क्लब छोड़ देंगे। लिवरपूल में आठ वर्षों से अधिक समय में उन्होंने खुद को अपनी पीढ़ी के सबसे बेहतरीन प्रबंधकों में से एक के रूप में स्थापित किया।उन्होंने 2019 में चैंपियंस लीग जीती और उसके बाद खिताब जीतकर प्रीमियर लीग चैंपियन के रूप में मैनचेस्टर सिटी के दो साल का राज खत्म किया।

क्लॉप ने 2022 में इंग्लिश लीग कप और एफए कप जीता और फरवरी में लिवरपूल को दूसरे लीग कप में मार्गदर्शन करते हुए ट्रॉफी दिलाई। उनकी देखरेख में, लिवरपूल ने यूईएफए सुपर कप और क्लब विश्व कप भी जीता और दो और चैंपियंस लीग अभियानों में उपविजेता रहा।

भारत कौशल प्रतियोगिता 2024 में जम्मू-कश्मीर ने 11 पदक जीते

एजेंसी

श्रीनगर। देश की सबसे बड़ी कौशल प्रतियोगिता, भारत कौशल प्रतियोगिता 2024, रविवार को यशोभूमि, द्वारका, दिल्ली में आधिकारिक तौर पर संपन्न हुई, जिसमें 30 से अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 900 से अधिक छात्र शामिल हुए।- कुशल युवाओं ने पारंपरिक शिल्प और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों दोनों को शामिल करते हुए 61 श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा की। जम्मू-कश्मीर ने असाधारण प्रदर्शन किया और 20 कौशल श्रेणियों में भाग लिया, जो कौशल विकास के प्रति क्षेत्र की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

जम्मू और कश्मीर दल ने 22 प्रतिभागियों के साथ 20 कौशलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, और तीन स्वर्ण पदक, दो कांस्य पदक और छह उत्कृष्टता पदक जीते। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों में सरकारी पॉलिटेक्निक अनंतनाग के गौहर बिलाल शामिल थे, जिन्होंने प्लास्टरिंग और ड्राई वॉल सिस्टम में स्वर्ण पदक जीता, और डीपीएस श्रीनगर के मोहसिन नासिर और मुस्तफा सुहैब, जिन्होंने ऑटोनॉमस मोबाइल रोबोटिक्स में स्वर्ण पदक जीता।

अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियों में ग्राफिक डिजाइन में फहीम जावेद का कांस्य, वेब टेक्नोलॉजीज में जुमुर्तजा का कांस्य और ड्रोन फिल्म मेकिंग में उमर अकबर का कांस्य शामिल है। साइबर सुरक्षा के लिए मयंक सलारिया, बढ़ईगीरी के लिए आसिफ अहमद तंदोली, प्लंबिंग और हीटिंग के लिए सुनील सिंह, क्लाउड कंप्यूटिंग के लिए मोहम्मद हम्माद, इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशन के लिए मीर शरयार और इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए गौहर नज़ीर को उत्कृष्टता पदक प्रदान किए गए। सचिव कौशल विकास, राजीव रंजन ने विजेताओं को बधाई दी और कहा, ÷भारत कौशल प्रतियोगिता 2024 में हमारी युवा प्रतिभाओं की उत्कृष्ट उपलब्धियाँ उनके समर्पण, कड़ी मेहनत और हमारे शिक्षकों और आकाओं के अटूट समर्थन का प्रमाण हैं।ये सफलताएँ न केवल जम्मू-कश्मीर के भीतर की क्षमता को उजागर करती हैं बल्कि एक उज्जवल भविष्य को भी प्रेरित करती हैं जहाँ कौशल, नवाचार और उत्कृष्टता हमारी प्रगति को आगे बढ़ाती हैं। इसे हमारे सभी युवाओं के लिए दृढ़ संकल्प के साथ अपने जुनून को आगे बढ़ाने और महत्वपूर्ण प्रभाव डालने की उनकी क्षमता पर विश्वास करने के लिए एक प्रेरक शक्ति बनने दें। निदेशक कौशल विकास, सुदर्शन कुमार ने प्रतिभा को बढ़ावा देने और हमारे युवाओं को गतिशील भविष्य के लिए आवश्यक कौशल से लैस करने के लिए सलाहकारों के प्रयासों और उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की। उनकी उपलब्धियाँ केवल व्यक्तिगत जीत नहीं हैं, बल्कि सभी महत्वाकांक्षी पेशेवरों के लिए प्रेरणा की किरण हैं। साथ मिलकर, हम उत्कृष्टता की एक नींव तैयार कर रहे हैं जो हमारे क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।' कुमार ने कहा. भारत कौशल प्रतियोगिताएं युवा पेशेवरों के लिए अपने कौशल, रचनात्मकता और नवाचार का प्रदर्शन करने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में कार्य करती हैं, जो देश के कार्यबल विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। जम्मू और कश्मीर के प्रतिभागियों का उल्लेखनीय प्रदर्शन व्यावहारिक विशेषज्ञता के साथ युवाओं को सशक्त बनाने के प्रति क्षेत्र के समर्पण को रेखांकित करता है। दल के साथ मिशन निदेशक लीना पाधा, जिया उल हक, तबस्सुम गिलानी (ओएसडी) और जम्मू-कश्मीर कौशल विकास मिशन से हिलाल अहमद भी थे।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 22 मई 2024 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

फास्ट न्यूज

गढ़वाल में 23 जगह धधके जंगल

टीम एक्शन इंडिया

देहरादून: प्रदेश में जंगल में आग की 23 घटनाएं हुई हैं। इसमें 22 गढ़वाल और एक वन्यजीव क्षेत्र की घटना है। कुमाऊं में एक भी घटना नहीं हुई। वहीं जंगल में आग लगाने के आरोप में वन विभाग ने अज्ञात में तीन मुकदमे दर्ज किए हैं। गर्मी तेज होने के साथ ही वनाग्नि की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। नरेंद्रनगर वन प्रभाग में 2, सिविल वन पंचायत क्षेत्र में 2, मसूरी वन प्रभाग में 8, सिविल वन पंचायत क्षेत्र में 4, भूमि संरक्षण कालसी वन प्रभाग में 2, लैंसडाउन वन प्रभाग में एक, भूमि संरक्षण लैंसडाउन वन प्रभाग में एक, रुद्रप्रयाग वन प्रभाग में 2 और केदारनाथ वन्य जीव वन पंचायत क्षेत्र में वनाग्नि की एक घटना हुई हैं। राज्य में इसे मिलाकर वनाग्नि की घटनाएं बढ़कर 1121 हो गई है। इससे 1520 हेक्टेयर से अधिक वन क्षेत्र प्रभावित हुआ है। अपर प्रमुख वन संरक्षक निशांत वर्मा के मुताबिक जंगल में आग लगाने के आरोप में अज्ञात में तीन मुकदमे दर्ज किए गए हैं। इसे मिलाकर जंगल में आग लगाने के मामले बढ़कर 425 हो गए हैं

भारतीय सीमा पार कर आई महिला पाकिस्तानी सेना के हवाले

टीम एक्शन इंडिया

पुंछ: पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) की एक 45 वर्षीय महिला को हिरासत में लिए जाने के दो दिन बाद मंगलवार को पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास पाकिस्तानी सेना को सौंप दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि वह अनजाने में भारतीय सीमा पार कर आई थी। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान के कोटली जिले के सखी नाथ गांव की मूल निवासी नसीम फातमा को भारतीय सेना ने शनिवार देर रात राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर के पुखेरनी गांव से हिरासत में लिया था।

दुनिया के कई देश आतंकवाद से पीड़ित: एडीजीपी

टीम एक्शन इंडिया

हिसार: एडीजीपी डॉ. एम. रवि किरण ने कहा कि हमारा देश ही नही अपितु दुनिया के कई देशों के लोग पिछले कई दशक से आतंकवाद की समस्या से जूझ रहे हैं। एडीजीपी डॉ. एम. रवि किरण मंगलवार को हिसार रेंज एडीजीपी कार्यालय में आतंकवाद विरोधी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

देश को बांटने के लिए हुआ है इंडिया गठबंधन: योगी

चुनावी बिसात: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बस्ती मंडल के तीनों जनपदों में किए 20 जनसभा

चुनावी जनसभा

▸▸ सपा का दिल माफिया के साथ है,आम जनता के साथ नहीं। मंदिर का निर्माण होने से हिंदू जनमानस ने अपना खोया सम्मान वापस पाया

टीम एक्शन इंडिया

सन्त कबीरनगर: लोकसभा चुनाव को लेकर चल रहे चुनाव प्रचार में और तेजी लाने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बस्ती मण्डल के तीनों जनपदों में 20 जनसभा कर रहे हैं। सिद्धार्थ नगर भाजपा उम्मीदवार जगदम्बिका पाल के समर्थन में चुनावी जन सभा करने के बाद सन्तकबीरनगर के मेहदावल में चुनावी जन सभा कर प्रवीण निषाद के पक्ष में मतदान की अपील की। जनसभा को सम्बोधित करते हुए उन्होंने ने कहा कि समाजवादी पार्टी का दिल माफिया के साथ है,आम जनता के साथ नहीं।प्रभु श्री राम का भव्य मंदिर का निर्माण होने से हिंदू जनमानस ने अपना खोया सम्मान वापस पाया ।जो लोग भारत में रहकर पाकिस्तान के नारे लगाते हैं ,उन्हें पाकिस्तान चले जाना चाहिए वहां जाने पर पता चलेगा कि वहां कितनी महंगाई और भुखमरी है जब एक रोटी के लिए लड़ना पड़ेगा। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चार करोड़ गरीबों को आवास मिला है तो वहीं देश समृद्ध हुआ है। देश हर मोर्चे पर आगे बढ़ रहा है और विश्व पटल पर देश का नाम रोशन हो रहा है।उन्होंने कहा कि महापुरुषों का सम्मान करना का किसी को सीखना है तो वह भारतीय जनता पार्टी की सरकार से सीखे। हम धर्म से लेकर समाज के क्षेत्र में काम करने वाले सभी लोगों का सम्मान करना जानते हैं ।उन्होंने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का गठबंधन एक खतरनाक सोच के साथ हुआ है, इससे देश और जनता दोनों का भला नहीं होगा। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के अंदर औरंगजेब की आत्मा घुस गई हुई है,जो देश को तोड़ने और बांटने के लिए काम कर रही है। वह देश का विकास नहीं कर सकती। देश में तीसरी बार नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनेंगे।

भाजपा को 140 सीटों के लिए तरसाएगी जनता: अखिलेश

टीम एक्शन इंडिया

आजमगढ़: समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केन्द्र और प्रदेश सरकर पर हमला बोलते हुए कहा कि देश में बेरोजगारी, महंगाई चरम सीमा पर है। नौजवानों को रोजगार न देना पड़े इसलिए आए दिन पेपर लीक हो रहे हैं। इस लोकसभा चुनाव में जनता भाजपा को 140 सीटों के लिए तरसाएगी। सपा प्रमुख ने मंगलवार को लालगंज लोकसभा के सरायमीर बाजार के खरेवा मोड़ पर आयोजित चुनावी जनसभा में लालगंज लोकसभा में सपा प्रत्याशी दरोगा सरोज के पक्ष में जनता से वोट करने की अपील की है। जनसभा में कार्यकताओं ने हंगामा किया तो पुलिस ने लाठियां भांजकर किसी तरह से उन्हे शांत कराया। इसके बाद जनसभा को संबोधित करते हुए अखिलेश ने कहा कि जो भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ मतदान होना शुरू हुआ है, आखिरी तक जब पूर्वांचल का चुनाव व सातवां चरण खत्म होगा तब भारतीय जनता पार्टी का सफाया हो जायेगा। इन्होंने किसान को संकट में डाल दिया। न किसान की आय दुगुनी हुई न उनकी पैदावार बढ़ाई। न पैदावार की कीमत दे पर रहे हैं। नौजवानों को बड़े पैमाने पर बेरोजगारी के हवाले छोड़ दिया। तीस लाख सरकारी नौकरियां दिल्ली में खाली है। उत्तर प्रदेश में हर परीक्षा रद्द हो गई। जानबूझकर पेपर लीक किया गया, जिससे नौकरी और आरक्षण न देना पड़े। नौकरी तो सबको मिलती लेकिन आरक्षण तो एक सीमित लोगों को मिलता।

वोट मांगे

▸▸ देश में बेरोजगारी, महंगाई चरम सीमा पर है। नौजवानों को रोजगार न देना पड़े इसलिए आए दिन पेपर लीक हो रहे हैं

लेकिन इन्होंने जानबूझकर खिलवाड़ किया है। अखिलेश यादव ने कहा कि इन्होंने नौजवानों की नौकरी नहीं छिनी बल्कि नौजवानों का एक तिहाई जीवन बर्बाद कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लिए बिना सपा प्रमुख ने कहा कि चार सौ पार इसलिए बोल रहे है कि 543 सीटें, चार सौ पार का मतलब 143 सीटें और जनता इन्हें 140 के लिए तरसाएगी। सभी लोग जानते हैं। आजमगढ़ में हवाई पट्टी नेताजी ने बनाई थी। उसके बाद बड़ा पिछली सरकार में मैंने किया था, इसको और आगे लेकर गए।

बंगाल में महिलाओं पर अत्याचार करने वाले किसी भी राम रहीम को नहीं छोड़ा जाता: ममता

टीम एक्शन इंडिया

कोलकाता: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने संदेशखाली में खड़े होकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि बंगाल में बहन बेटियों के सम्मान से खिलवाड़ करने वाले किसी को भी नहीं छोड़ा जाता। चाहे वो राम हो या रहीम। बीजेपी ने संदेशखाली आंदोलन के चेहरों में से एक रेखा पात्रा को बशीरहाट से उम्मीदवार बनाया है। बीजेपी उम्मीदवार बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेखा को फोन किया था। इसे लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधा है। बशीरहाट लोकसभा क्षेत्र में प्रचार के पहले दिन ममता ने कहा, "संदेशखाली में जिस तरह से माताओं और बहनों का अपमान किया गया है, उससे मैं स्तब्ध हूं। प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए ममता ने कहा, "आपके कार्यकाल में भारत में सबसे ज्यादा महिलाओं पर अत्याचार हुआ। आपके उत्तर प्रदेश में...हमारे यहां एक-दो घटनाएं होती हैं तो हम कार्रवाई करते हैं। यूपी में एक्शन नहीं होता। लेकिन हम बंगाल में किसी को नहीं छोड़ते चाहे वो केष्टो मेष्टो, राम रहीम कोई भी हो।

उम्मीदवार

▸▸ बीजेपी ने संदेशखाली आंदोलन के चेहरों में से एक रेखा पात्रा को बशीरहाट से उम्मीदवार बनाया है

त्राल: सुरक्षाबलों ने आतंकियों की तलाश में चलाया अभियान

टीम एक्शन इंडिया

पुलवामा: पुलवामा जिले के त्राल के जंगली इलाके में सुरक्षाबलों ने आतंकियों की तलाश में मंगलवार को अभियान चलाया है। यह अभियान जंगली इलाके में आतंकियों की मौजूदगी की विशिष्ट सूचना मिलने के बाद शुरू किया गया। बताया जा रहा है कि इलाके में तीन से चार से आतंकवादी छिपे हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि जिले के त्राल के जंगली इलाके में आतंकियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिलने के बाद पुलिस और अन्य सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया।

पुलिस महानिदेशक ने बदरीनाथ धाम पहुंच कर लिया सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा

टीम एक्शन इंडिया

गोपेश्वर: पुलिस महानिदेशक, उत्तराखंड अभिनव कुमार ने मंगलवार को बदरीनाथ धाम यात्रा और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पुलिस महानिदेशक अभिनव ने कहा कि चारधाम यात्रा पर आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु हमारे अतिथि के समान है, हमें अतिथि देवो भवः की भावना के साथ यात्रियों की सुरक्षा एवं सहयोग करना चाहिए। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड पुलिस श्रद्धालुओं की यात्रा को सरल, सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए लगातार तत्पर है। कोई भी यात्री बिना रजिस्ट्रेशन और रजिस्ट्रेशन की तिथि से पूर्व यात्रा पर न आएं। उत्तराखंड पुलिस चारधाम यात्रा के लिए आ रहे सभी तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। धामों में भीड़ के अत्यधिक दबाव के कारण वाहनों को विभिन्न जगहों पर रोका जा रहा है। उन्होंने चारधाम यात्रा में सीजन ड्यूटी में नियुक्त जनपद और बाहरी जनपदों से आये पुलिस बल के ठहरने के लिए आवासीय बैरिक, बिजली, पानी, शौचालयों की व्यवस्थाओं का भैतिक निरीक्षण किया गया।

जायजा लिया

▸▸ श्रद्धालु अतिथि के समान है, हमें अतिथि देवो भवः की भावना के साथ यात्रियों की सुरक्षा एवं सहयोग करना चाहिए

देश में इंडिया गठबंधन की लहर है, तीन सौ से ज्यादा सीटें जीतने जा रहे: तेजस्वी

टीम एक्शन इंडिया

बेतिया: बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम व प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को वाल्मीकीनगर लोकसभा क्षेत्र के मैनाटाड़ में कहा कि पूरे देश में इंडिया गठबंधन की लहर है। हम तीन सौ से ज्यादा सीटें जीतने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनी तो एक करोड़ नौकरियां दी जायेंगी और गरीब बहनों के खाते में एक लाख की राशि दी जायेगी। वे मैनाटाड़ में उम्मीदवार दीपक यादव के पक्ष में चुनावी सभाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 10 साल में प्रधानमंत्री ने जनता को गुमराह किया है। भाजपा के शासन में लोकतंत्र खतरे में है। महंगाई, बेरोजगारी से जनता परेशान है। इसके खिलाफ एकजुट होने की जरूरत है। तेजस्वी ने कहा कि यह चुनाव संविधान और लोकतंत्र बचाने का है। उन्होंने कहा कि हमने 190 से अधिक सभाएं की हैं और हमारा एक हेलीकॉप्टर भाजपा व जदयू नेताओं के 20 हेलीकॉप्टर पर भारी है।

उन्होंने कहा कि हम मुद्दों की बात करते हैं, जबकि पीएम मोदी बांटने और नफरत की राजनीति करते हैं।

तेजस्वी ने कहा कि एनडीए सरकार में न कारखाना खुले, न नौकरी मिली, न महंगाई कम हुई और न गरीबी खत्म हुई। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर 15 अगस्त को बेरोजगारी से आजादी दिलाएंगे और पूरे देश में एक करोड़ नौकरी देंगे। अग्निवीर योजना खत्म कर नियमित नियुक्ति करेंगे।वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद जिलाध्यक्ष साहेब हुसैन अंसारी और संचालन अमर यादव ने किया।

दावा

▸▸ सरकार बनी तो एक करोड़ नौकरियां दी जायेंगी और गरीब बहनों के खाते में एक लाख की राशि दी जायेगी

कांग्रेस के पुरखे भी आरक्षण विरोधी रहे : मायावती

टीम एक्शन इंडिया

जौनपुर: बसपा प्रमुख मायावती ने कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी के चेले चपाटे कहते हैं कि हम आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं। हम संविधान के खिलाफ नहीं हैं। मायावती ने कहा कि इनके (कांग्रेस) पुरखे ने तो संविधान के खिलाफ जाकर काम किया। और आरक्षण का पूरा लाभ आप लोगों को नहीं दिया था। मायावती ने मंगलवार को जिले की दोनों लोकसभा सीटों को सवंसा गांव से जनसभा को संबोधित किया और पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में लोगों से मतदान की अपील की। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी पार्टी अपने दम पर दमदारी से चुनाव लड़ रही है। हमारी ऐसी पार्टी है जो सर्वसमाज को भागीदारी देते हुए बनारस मंडल के सर्वसमाज को चुनाव लड़ने का मौका दिया है। आज इतनी भीड़ देखकर मुझे भरोसा हुआ है कि हम चुनाव जीत रहे हैं। विपक्षियों पर हमलावर होते हुए कहा कि कांग्रेस - भाजपा सहयोगी दल के बारे में कहना चाहूंगी कि आजादी के बाद शुरू से केंद्र व राज्य में भी ज्यादातर सत्ता कांग्रेस पार्टी के हाथों में केंद्रित रही है। अधिकांश मामले में रही गलत नीतियों एवं गलत कार्यप्रणाली की वजह से ही कांग्रेसे को सत्ता से बाहर होना पड़ा। यही स्थिति इनके सहयोगी पाटीयों की रही है। जब आजादी के बाद केंद्र व देश के ज्यादातर राज्यों में कांग्रेस पार्टी सत्ता में आयी तो उसकी पहली सरकार में डॉ. भीम राव आम्बेडकर लॉ मिनिस्टर थे। कांग्रेस के मुखिया ने पंडित जवाहर लाल नेहरू एन्ड कंपनी से यह कहा कि भारतीय संविधान में एससी, एसटी के लोगों को जो सरकारी नौकरी में आरक्षण दिया जा रहा है उनका पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। इनको पूरा लाभ मिलना चाहिए। संविधान में आर्टिकल 340 की व्यवस्था है।

कांग्रेस निशाने पर

▸▸ कांग्रेस के पुरखे ने तो संविधान के खिलाफ जाकर काम किया। और आरक्षण का पूरा लाभ आप लोगों को नहीं दिया

संबित पात्रा ने भगवान जगन्नाथ से जुड़े वाक्य पर माफी मांगी

टीम एक्शन इंडिया

भुवनेश्वर: पुरी से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार ने भगवान जगन्नाथ से जोड़कर गलती से दिए गए एक वक्तव्य के लिए माफी मांगी है। उन्होंने इस गलती के पश्चाताप के लिए 3 दिन का उपवास रखने का भी फैसला किया है। सोशल मीडिया पर उनका एक वक्तव्य वायरल होने के बाद देर रात पात्रा ने कहा कि आज महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी को लेकर उनसे जो भूल हुई है, उस विषय को लेकर उनका अंतर्मन अत्यंत पीड़ित है। वे महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी के चरणों में शीश झुकाकर क्षमायाचना करते हैं। अपनी इस भूल सुधार और पश्चाताप के लिए अगले 3 दिन वे उपवास पर रहेंगे। जय जगन्नाथ। उल्लेखनीय है कि संबित पात्रा मोदी को भगवान जगन्नाथ का भक्त बताते समय उल्टा बोल गए। उसका अर्थ यह निकला कि भगवान जगन्नाथ मोदी भक्त हैं। इसे विरोधी दलों ने मुद्दा बना दिया। कल दिन भर इसे लेकर बयानबाजी हुई। ओड़ीशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने भी इस विषय पर लंबा ट्वीट लिखा और इसे भगवान जगन्नाथ के अपमान और ओड़ीशा की अस्मिता से जोड़ने का प्रयास किया।

विमान की चपेट में आने से 36 फ्लेमिंगो की हुई मौत

टीम एक्शन इंडिया

मुंबई: मुंबई के घाटकोपर में एमिरेट्स की एक फ्लाइट की चपेट में आने से कम से कम 36 फ्लेमिंगो की मौत हो गई। वहीं, विमान भी क्षतिग्रस्त हो गया। एक वन्यजीव कल्याण समूह के सदस्य ने मंगलवार को इस घटना की जानकारी दी।

मृत पक्षियों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा: रेस्किंग एसोसिएशन फॉर वाइल्डलाइफ वेलफेयर (आरएडब्ल्यूडब्ल्यू) के संस्थापक और वन विभाग में मानद वन्यजीव वार्डन पवन शर्मा ने बताया कि घाटकोपर में कुछ स्थानों पर मृत पक्षी देखे जाने के बारे में कई लोगों के फोन आ रहे थे। उन्होंने बताया कि मौत की असली वजह का पता लगाने के लिए मृत पक्षियों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

सोमवार रात की घटना

मुंबई आ रही एक एमिरेट्स फ्लाइट की टक्कर से 36 फ्लेमिंगो की मौत हो गई। ये घटना सोमवार रात की बताई जा रही है। वहीं इस टक्कर के बाद कई मरे हुए फ्लेमिंगो घाटकोपर इलाके में मिले। वहीं इस टक्कर की वजह से विमान को भी काफी नुकसान पहुंचा। हालांकि विमान ने एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग कर ली। फिलहाल, सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। वन अधिकारियों और एनिमल एक्टिविस्ट ने मरे हुए फ्लेमिंगो बर्ड्स को हटाया है। : इस हादसे के कई वीडियो भी सामने आए हैं। बताया जा रहा है कि मृत फ्लेमिंगो मुंबई के कई अलग-अलग इलाकों से बरामद किए गए। स्थानीय लोगों ने फोन करके इसकी सूचना दी।

टक्कर

▸▸ मौत की असली वजह का पता लगाने के लिए मृत पक्षियों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया

समयसीमा यात्री को घोड़ा-खच्चर, डंडी-कंडी में लाने वाला संचालक भी 60 मिनट इंतजार करेंगे, देर हुई तो यात्री बगैर वापस लौटेंगे

यमुनोत्री धाम में श्रद्धालुओं को दर्शन के लिये 60 मिनट का समय निर्धारित

टीम एक्शन इंडिया

उत्तरकाशी: उत्तराखंड चारधाम यात्रा पर लगातार बढ़ रहे दवाब के चलते जिला प्रशासन ने श्री यमुनोत्री धाम में श्रद्धालुओं को दर्शन के लिये 60 मिनट का समय निर्धारित कर दिया है। इसके दायरे में घोड़े-खच्चर और डंडी-कंडी संचालक भी आएंगे। वे भी प्रशासन की निर्धारित समयावधि का पालन करेंगे। इसके लिए जिला प्रशासन ने नयी एसओपी जारी कर दी है। जिला मजिस्ट्रेट डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने यमुनोत्री दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत आदेश जारी करते हुए सोमवार से श्री यमुनोत्री धाम में दर्शन करने वाले यात्रियों के लिए 60 मिनट का समय निर्धारित किया है। साथ ही जानकीचट्टी से यमुनोत्री तक घोड़े-खच्चर और डण्डी के आवागमन के लिए अधिकतम संख्या 60 मिनट की समयावधि निर्धारित की है। जिला मजिस्ट्रेट ने श्री यमुनोत्री धाम में पैदल यात्रा मार्ग पर यात्रियों के आवागमन को सुगम, सुरक्षित एवं शान्तिपूर्वक ढंग से संपादित करने के लिए उप जिलाधिकारी, बड़कोट, पुलिस उपाधीक्षक, बड़कोट एवं अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत, उत्तरकाशी की संयुक्त रिपोर्ट के आधार पर यमुनोत्री धाम पैदल यात्रा मार्ग संकरा होने के कारण भीड़ नियन्त्रण, जानमाल के खतरे और यात्रियों की सुरक्षा के दृष्टिगत के लिए नई एसोओपी जारी कर दी है। इसके अनुसार यमुनोत्री मार्ग पर घोड़े-खच्चरों के आवागमन का समय प्रातः 4 बजे से सायं 5 बजे तक निर्धारित किया गया है। आदेशानुसार घोड़े-खच्चरों की संख्या 800 पूर्ण होने के पश्चात घोड़े-खच्चर उसी अनुपात में जानकीचट्टी से भेजे जाएंगे, जिस अनुपात में यमुनोत्री से वापस आएंगे।

दिशा-निर्देश

▸▸ घोड़े-खच्चरों की संख्या 800 पूर्ण होने के पश्चात घोड़े-खच्चर उसी अनुपात में जानकीचट्टी से भेजे जाएंगे

देश में मधुमक्खियों से शहद का कुल उत्पादन सवा लाख मैट्रिक टन से अधिक

टीम एक्शन इंडिया

बीकानेर: स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय में विश्व मधुमक्खी दिवस के अवसर पर "खाद्य सुरक्षा एवं जैव विविधता के लिए मधुमक्खियां जरूरी" विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि खाद्य सुरक्षा और जैव विविधता को बनाए रखने में मधुमक्खी एक महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि मधुमक्खी एक ऐसा सामाजिक कीट है जो ना सिर्फ शहद उत्पन्न करता है बल्कि इसके द्वारा रॉयल जैली, पराग कण, प्रोपोलिस, मोम आदि भी प्राप्त होता है। विदित है कि मधुमक्खी दिवस सम्पूर्ण विश्व में 20 मई को मधुमक्खी पालन के प्रथम अन्वेषक ऐन्टोन जानसा की जयंती पर वर्ष 2017 से प्रति वर्ष मनाया जा रहा है। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पीके यादव ने मधुमक्खियों के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि दुनिया में मधुमक्खी ना हो तो मानव सभ्यता खतरे में पड़ जाएगी। इसी क्रम में प्रसार निदेशक डॉ सुभाष चंद्र ने मधुमक्खी पालन को उद्यमिता के रूप में अपनाने को लेकर कहा कि इसे स्वरोजगार के रूप में अपनाना चाहिए। इसमें जमीन की भी आवश्यता नहीं होती।